RAJHIN/2016/70516

Bhilwara/171/2026-2028

सच्चाई से रूबरू

smarthalchal.com

स्मार्ट हलचल

वर्ष-10 अंक- 26 भीलवाड़ा, सोमवार, 29 दिसम्बर 2025 पृष्ठ-04 मूल्य-04 रूपये

मन की बात: 'ऑपरेशन सिंदूर' से लेकर खेल और विज्ञान तक, पीएम मोदी ने गिनाईं 2025 की उपलब्धियां

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को 'मन की बात' कार्यक्रम में 2025 की कई तस्वीरें, कई चर्चाएं और कई उपलब्धियों के बारे में बात की, जिन्होंने पूरे देश को एक साथ जोड़ दिया। राष्ट्र को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि मन में पूरे एक साल की यादें घूम रही हैं। 2025 ने हमें ऐसे कई पल दिए, जिस पर हर भारतीय को गर्व हुआ।

पीएम मोदी ने कहा कि 2025 में भारत ने सुरक्षा, खेल, विज्ञान और वैश्विक मंचों पर अपनी मजबूत छाप छोड़ी

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि देश की सुरक्षा से लेकर खेल के मैदान तक, विज्ञान की प्रयोगशालाओं से लेकर दुनिया के बड़े मंचों तक भारत ने हर जगह अपनी मजबूत छाप छोड़ी। 'मन की बात' कार्यक्रम में पीएम मोदी ने कहा, "इस साल 'ऑपरेशन सिंदूर' हर भारतीय के लिए गर्व का प्रतीक बना। दुनिया ने साफ देखा कि आज का भारत अपनी सुरक्षा से कोई समझौता नहीं करता। 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान देश के कोने-कोने से मां भारती के प्रति प्रेम और समर्पण की तस्वीरें सामने आईं। लोगों ने अपने-अपने तरीके से अपने भाव व्यक्त किए।"

पीएम मोदी ने 'वंदे मातरम 150' अभियान में देशवासियों की भागीदारी और सुझाव साझा करने की प्रेरणा दी

उन्होंने आगे कहा कि यही जज्बा तब भी देखने को मिला जब 'वंदे मातरम' के 150 साल पूरे हुए। मैंने आग्रह किया था कि 'हैशटैग वंदे मातरम 150' के साथ अपने संदेश और सुझाव भेजें। देशवासियों ने इस अभियान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

पीएम मोदी ने बताया कि 2025 में पुरुष और महिला क्रिकेट टीमों ने आईसीसी ट्रॉफी और विश्व कप जीतकर गौरव बढ़ाया

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि 2025 खेल के लिहाज से भी यादगार साल रहा। पुरुष क्रिकेट टीम ने आईसीसी चैंपियन्स ट्रॉफी जीती और महिला क्रिकेट टीम ने पहली बार विश्व कप अपने नाम किया। भारत की बेटियों ने 'ब्लाइंड टी-20 वर्ल्ड कप' जीतकर इतिहास रच दिया। एशिया कप में भी तिरंगा शान से लहराया। पैरा एथलीटों ने विश्व चैंपियनशिप में कई पदक जीतकर यह साबित किया कि कोई बाधा हौसलों को नहीं रोक सकती है।

पीएम मोदी ने 2025 में भारत की अंतरिक्ष, विज्ञान प्रगति, पर्यावरण संरक्षण और चीतों की बढ़ती संख्या का जिक्र किया

उन्होंने याद किया कि विज्ञान और अंतरिक्ष के क्षेत्र में भी भारत ने बड़ी छलांग लगाई। पीएम मोदी ने कहा कि शुभांशु शुक्ला पहले भारतीय बने, जो अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष सेंटर तक पहुंचे। अपने संबोधन में पीएम मोदी ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण और वन्य जीवों की सुरक्षा से जुड़े कई प्रयास भी 2025 की पहचान बने। भारत में चीतों की संख्या भी 30 से ज्यादा हो चुकी है।

पीएम मोदी ने 2025 में प्रयागराज महाकुंभ, अयोध्या राम मंदिर ध्वजारोहण और स्वदेशी उत्साह को याद किया

आस्था, संस्कृति और भारत की विरासत की बात करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि साल की शुरुआत में प्रयागराज महाकुंभ ने पूरी दुनिया को चकित किया। साल के अंत में अयोध्या में राम मंदिर पर ध्वजारोहण के कार्यक्रम ने हर भारतीय को गर्व से भर दिया। स्वदेशी को लेकर भी लोगों का उत्साह खूब दिखाई दिया। लोग वही सामान खरीद रहे हैं, जिसमें किसी भारतीय का पसीना लगा हो और भारत की मिट्टी की सुगंध हो।

पीएम मोदी ने कहा कि 2025 ने भारत को आत्मविश्वासी बनाया, और 2026 नई उम्मीदों एवं संकल्पों के लिए तैयार है

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हम गर्व से कह सकते हैं कि 2025 ने भारत को और अधिक आत्मविश्वास दिया है। उन्होंने यह भी कहा कि अब 2026 में नई उम्मीदों और नए संकल्पों के साथ देश आगे बढ़ने के लिए तैयार है।

डब्ल्यूएचओ का चेतावनी: शराब से यूरोप में हर साल 8 लाख मौतें

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने यूरोप में शराब के बढ़ते और घातक प्रभावों को लेकर गंभीर चेतावनी जारी की है। संगठन के अनुसार, यूरोप क्षेत्र में हर साल लगभग 8 लाख लोगों की मौत शराब के सेवन से जुड़ी बीमारियों और दुर्घटनाओं के कारण हो रही है। यह आंकड़ा न केवल सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट की ओर इशारा करता है, बल्कि सामाजिक और आर्थिक स्तर पर भी गहरे प्रभावों को उजागर करता है।

2019 में यूरोप में शराब से 1,45,000 मौतें हुईं, हिंसा और चोटें प्रमुख कारण रही, डब्ल्यूएचओ ने गंभीर स्वास्थ्य चेतावनी दी

2019 डेटा (जो लेटेस्ट आंकड़ा है) को आधार बना डब्ल्यूएचओ ने ये भयावह सच उजागर किया है। इसके मुताबिक यूरोप में लगभग 1,45,000 लोगों की मौत शराब पीकर लगी चोट की वजह से हुई। संगठन के अनुसार, शराब पीना आपसी हिंसा से भी जुड़ा हुआ है, जिसमें हमले और घरेलू हिंसा शामिल हैं, और इसे पूरे यूरोप में हिंसक चोटों से होने वाली मौतों का एक बड़ा कारण माना गया है।

डब्ल्यूएचओ के अनुसार शराब कैंसर और एनसीडी का कारण बनती है, निर्णय क्षमता कम करती है, रिएक्शन धीमा करती है और जोखिम भरी आदतों को बढ़ावा देती है

डब्ल्यूएचओ/यूरोप में अल्कोहल, गैर-कानूनी ड्रग्स और जेल हेल्थ की रीजनल एडवाइजर कैरिना फरेरा-बोर्गेस ने बताया, "शराब एक जहरीली चीज है जो न सिर्फ 7 तरह के कैंसर और दूसरी नॉन-कम्युनिकेबल बीमारियां (एनसीडी) पैदा करती है, बल्कि यह फैसले लेने और खुद पर कंट्रोल करने की क्षमता को भी कम करती है, रिएक्शन टाइम को धीमा करती है, तालमेल कम करती है और रिस्क लेने की आदत को बढ़ावा देती है।"

शराब से हृदय रोग, कैंसर, दुर्घटनाएं, हिंसा और आत्महत्या होती हैं, युवाओं में समयपूर्व मौत बढ़ रही है और स्वास्थ्य व उत्पादकता पर गंभीर असर पड़ रहा है

शराब से होने वाली मौतों के प्रमुख कारणों में 'हृदय रोग, लिवर सिरोसिस, विभिन्न प्रकार के कैंसर (जैसे स्तन और आंत का कैंसर), सड़क दुर्घटनाएं, हिंसा और आत्महत्या' शामिल हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, शराब का दुरुपयोग युवाओं और कामकाजी उम्र के लोगों में समय से पहले मौत का बड़ा कारण बन रहा है, जिससे देशों की उत्पादकता और स्वास्थ्य प्रणालियों पर अतिरिक्त बोझ पड़ता है।

डब्ल्यूएचओ के अनुसार यूरोप में शराब की खपत सबसे अधिक है और कोई भी मात्रा पूरी तरह सुरक्षित नहीं है

विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट बताती है कि यूरोप दुनिया के उन क्षेत्रों में शामिल है जहां प्रति व्यक्ति शराब की खपत सबसे अधिक है। कई देशों में शराब सामाजिक जीवन और संस्कृति का हिस्सा बन चुकी है, लेकिन इसके दुष्परिणाम अक्सर नजरअंदाज कर दिए जाते हैं। डब्ल्यूएचओ का कहना है कि "शराब की कोई भी मात्रा पूरी तरह सुरक्षित नहीं है," क्योंकि यह कैंसर सहित कई गंभीर बीमारियों के खतरे को बढ़ाती है।

पूर्वी यूरोप में शराब से हादसों में मौतें सबसे अधिक, पश्चिमी-दक्षिणी यूरोप में इससे होने वाली मौतें कम हैं

डेटा से पता चलता है कि पूर्वी यूरोप में इसका असर सबसे ज्यादा है। शराब पीकर हादसे में लगी चोट के कारण जान गंवाने वालों की संख्या यहां (पूरे यूरोप के मुकाबले) आधे से भी ज्यादा है, जबकि पश्चिमी और दक्षिणी यूरोप में यह 20 फीसदी से भी कम है।

शराब न केवल पीने वाले को प्रभावित करती है, बल्कि घरेलू हिंसा, मानसिक स्वास्थ्य और आर्थिक बोझ भी बढ़ाती है

रिपोर्ट में यह भी रेखांकित किया है कि शराब का प्रभाव केवल पीने वाले व्यक्ति तक सीमित नहीं रहता। परिवारों में घरेलू हिंसा, बच्चों पर नकारात्मक असर, मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं, और सामाजिक अस्थिरता जैसे मुद्दे भी इससे गहराई से जुड़े हैं। इसके अलावा, शराब से जुड़ी बीमारियों के इलाज पर होने वाला खर्च सरकारों के लिए एक बड़ी आर्थिक चुनौती है।

2019 में यूरोप में हिंसा से 26,500 मौतें, 40% शराब कारण; डब्ल्यूएचओ ने कड़े नियंत्रण और जागरूकता की अपील की

2019 में यूरोप में करीब 26,500 मौतों की वजह एक दूसरे पर हमला करना रहा, और इनमें से 40 फीसदी हिंसा की वजह शराब रही। संगठन ने यूरोपीय देशों से शराब नियंत्रण को लेकर सख्त नीतियां अपनाने की अपील की है। प्रभावी कदमों में शराब पर कर बढ़ाना, विज्ञापन और प्रायोजन पर रोक, बिक्री के समय और स्थान को सीमित करना तथा लेबल पर स्वास्थ्य संबंधी स्पष्ट चेतावनियां शामिल हैं। इसके साथ ही, जन-जागरूकता अभियानों के जरिए यह संदेश देना जरूरी है कि शराब का सेवन "कम जोखिम" नहीं, बल्कि "स्वास्थ्य जोखिम" से जुड़ा है।

डब्ल्यूएचओ के अनुसार वैज्ञानिक नीतियों, सामाजिक सोच और स्वास्थ्य रणनीतियों से शराब से मौतें कम की जा सकती हैं

विश्व स्वास्थ्य संगठन का मानना है कि यदि सरकारें वैज्ञानिक साक्ष्यों पर आधारित नीतियां लागू करें, तो आने वाले वर्षों में शराब से होने वाली मौतों और बीमारियों में काफी हद तक कमी लाई जा सकती है। रिपोर्ट इस बात पर जोर देती है कि शराब को लेकर सामाजिक सोच में बदलाव और मजबूत सार्वजनिक स्वास्थ्य रणनीतियां ही इस गंभीर संकट से निपटने का सबसे प्रभावी रास्ता हैं।

बंगाल समेत चार चुनावी राज्यों में अमित शाह का दौरा आज से, विजय की रणनीति पर मंथन शुरू

▪ स्मार्ट हलचल

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह रविवार से चुनाव वाले राज्यों में 15 दिन के दौरे पर रहेंगे, जहां वह अगले साल असम, पश्चिम बंगाल, केरल और तमिलनाडु में होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए भाजपा की रणनीति पर नेताओं से चर्चा करेंगे।

बिहार में एनडीए की जीत के बाद अमित शाह असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केरल के दौरे के जरिए नए राज्यों में चुनावी रणनीति को धार देंगे

बिहार में एनडीए की जीत के बाद गृह मंत्री अमित शाह ने इन राज्यों के लिए एक व्यापक तैयारी की है। पार्टी की संगठनात्मक इकाई के पदाधिकारी ने बताया कि केंद्रीय गृह मंत्री 28 और 29 दिसंबर को असम, 30 और 31 दिसंबर को पश्चिम बंगाल, जनवरी के पहले हफ्ते में तमिलनाडु और दूसरे हफ्ते में केरल का दौरा करेंगे।

वे चुनाव होने तक हर महीने इन चुनावी राज्यों में कम से कम दो दिन बिताएंगे और चुनाव जीतने की रणनीतियों पर काम करेंगे

वह चुनाव होने तक हर महीने इन चुनावी राज्यों में कम से कम दो दिन बिताएंगे और चुनाव जीतने की रणनीतियों पर काम करेंगे। असम को छोड़कर बाकी तीन राज्यों में अभी गैर-एनडीए सरकार है। पार्टी के पन्ना प्रमुखों को सक्रिय करने और 'मेरा बूथ सबसे मजबूत' योजना को लागू करने पर ध्यान केंद्रित करते हुए गृह मंत्री अमित शाह चुनावी राज्यों में अपने दौरे पर संगठनात्मक बैठकें करेंगे और पार्टी कार्यकर्ताओं से बातचीत करेंगे।

भाजपा नेता के अनुसार गृह मंत्री अमित शाह हाल ही में बिहार विधानसभा चुनावों में एनडीए की शानदार जीत को दोहराने की तैयारी कर रहे हैं

भाजपा नेता के अनुसार गृह मंत्री अमित शाह हाल ही में बिहार विधानसभा चुनावों में एनडीए की शानदार जीत को दोहराने की तैयारी कर रहे हैं। गृह मंत्री शाह ने बार-बार खुद को एनडीए की चुनावी जीत के पीछे मुख्य रणनीतिकार साबित किया है। उन्होंने एनडीए के राष्ट्रीय चुनावी चेहरे और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इर्द-गिर्द राज्य-विशिष्ट अभियान सावधानी से तैयार किए हैं।

एनडीए की जीत की रणनीति में सहयोगियों से तालमेल के साथ बागियों को मनाकर निर्दलीय चुनाव से होने वाले वोट नुकसान को रोकने की ठोस योजना शामिल है

एनडीए सहयोगियों के साथ तालमेल के अलावा, केंद्रीय मंत्री के जीत के फॉर्मूले में बागियों से बात करने और उन्हें शांत करने की एक मजबूत रणनीति भी शामिल है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वे निर्दलीय चुनाव लड़कर गठबंधन के वोट शेयर को नुकसान न पहुंचाएं।

चार राज्यों का यह दौरा जमीनी हालात समझने और विपक्षी नैरेटिव का प्रभावी जवाब तैयार करने की पूर्व रणनीति का अहम हिस्सा होगा

माना जाता है कि बिहार चुनाव में गृह मंत्री शाह ने लगभग 100 बागियों की बात सुनी थी जो पार्टी के हितों के खिलाफ काम कर रहे थे। भाजपा नेताओं ने कहा कि केंद्रीय मंत्री का चार राज्यों का आगामी दौरा जमीनी हकीकत जानने और विरोधी पार्टियों के नैरेटिव का मुकाबला करने के लिए पहले से तैयारी करने का भी एक प्रयास होगा। पार्टी के एक नेता ने कहा कि भाजपा ग्रामीण रोजगार योजना, 'विकसित भारत-जी रामजी',' रोजगार दर और अन्य सामाजिक-आर्थिक मुद्दों पर विरोधी पार्टियों द्वारा अपनाई जा रही झूठ की राजनीति को खत्म करने की रणनीति पर भी काम कर रहा है।

"अरावली बचाओ जन जागरण महारैली", कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सरकार के खिलाफ की जोरदार नारेबाजी

▪ स्मार्ट हलचल

स्थापना दिवस पर आतिसबाजी कर मिठाइयाँ बांटी

शाहपुरा / ब्लॉक कांग्रेस कमेटी एवं नगर कांग्रेस कमेटी शाहपुरा के तत्वाधान में आज "अरावली बचाओ जन जागरण महारैली" का आयोजन किया गया। यह रैली प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा जारी आदेशों के तहत आयोजित की गई।

महारैली का नेतृत्व शाहपुरा–बनेड़ा कांग्रेस विधायक प्रत्याशी नरेंद्र कुमार रैगर एवं नगर कांग्रेस कार्यवाहक अध्यक्ष रमेश सेन ने किया। रैली तहनाल गेट से प्रारंभ होकर मुख्य बाजार होते हुए त्रिमूर्ति चौराहा पहुँची। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने हाथों में "अरावली बचाओ" की तख्तियां व बैनर लेकर राज्य सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

रैली को संबोधित करते हुए कांग्रेस विधायक प्रत्याशी नरेंद्र कुमार रैगर ने कहा— अरावली पर्वत श्रृंखला न केवल राजस्थान की जीवनरेखा है, बल्कि पर्यावरण संतुलन का मजबूत आधार भी है। लेकिन वर्तमान सरकार की लापरवाही और संरक्षण में अवैध खनन के कारण अरावली को लगातार नुकसान पहुंचाया जा रहा है।

कांग्रेस पार्टी अरावली को बचाने के लिए सड़क से सदन तक संघर्ष करेगी और पर्यावरण के साथ खिलवाड़ किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।" उन्होंने आगे कहा कि अरावली का संरक्षण आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए अत्यंत आवश्यक है और इसके लिए जन-जागरूकता अभियान लगातार जारी रहेगा। कांग्रेस स्थापना दिवस पर कार्यकर्ताओं ने त्रिमूर्ति चोराहे पर जमकर आतिशबाजी की और किथाइया वितरित की।

इस अवसर पर नेता प्रतिपक्ष रचना मिश्रा, पूर्व नगर पालिका उपाध्यक्ष नमन ओझा, नगर महामंत्री ओम सिंधी, नगर उपाध्यक्ष सुनील मिश्रा, सेवादल ब्लॉक अध्यक्ष जयंत जीनगर वरिष्ठ कांग्रेस नेता लादू राम खटीक, मानक घुसर, भेरू लाल खटीक, अजय मेहता, रामप्रसाद धाकड़, सरपंच भागवत सिंह राणावत, यूथ कांग्रेस नगर अध्यक्ष अमन पौंड्रिक मंडल अध्यक्ष संवारा कुमावत आनंद तिवारी पूर्व पार्षद शंकर खटीक नाथु कोली युवा कांग्रेस विधानसभा अध्यक्ष दीपेंद्र सिंह एनएसयूआई ब्लॉक अध्यक्ष सूरज मेवाड़ा राजू गुर्जर पुष्पेंद्र सिंह पार्षद प्रत्याशी रविदत्त पुंडरीक युनुस खान पूर्व मंडल अध्यक्ष कैलाश फ़ामड़ा समीर ख़ान सौरभ जोशी सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता व महिला कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

खांसी की दवा समझ कर किया कीटनाशक दवा का सेवन छात्रा की मौत

▪ स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। पुर थाना क्षेत्र के गठीलाखेड़ा में एक छात्रा की खांसी की दवा समझ कर कीटनाशक का सेवन करने से मौत हो गई पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों के सुपुर्द कर जांच शुरू की,वही एकाएक हुई इस घटना से मृतका के परिजनों में मातम छा गया। पुर थाने के हेड कांस्टेबल अनिरुद्ध ने बताया कि थाना क्षेत्र के गठीलाखेड़ा में रहने वाली हेमलता पुत्री लक्ष्मण लाल भील उम्र 17 वर्ष जो की 12 वीं कक्षा की छात्रा है। हेमलता को शनिवार को खांसी हो रही थी इसी दौरान उसने भूलवश छोटी बोतल में रखी कीटनाशक दवा को खांसी की दवा समझ कर पी लिया ।जिससे उसकी हालत बिगड़ गई हेमलता की तबियत बिगड़ने पर परिजन उसे इलाज के लिए जिला अस्पताल ले गए,जहां उसने देर रात्रि को इलाज के दौरान दम तोड दिया। शव को जिला अस्पताल की मोर्चरी में सुरक्षित रखवाया गया था ।

थाना पुलिस ने रविवार सुबह जिला अस्पताल की मोर्चरी पहुंचकर परिजनों की मौजूदगी में शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया।पुलिस मामले की जांच कर रही है।

रक्तदान-शोभायात्रा-छप्पनभोग के आयोजन, माँ दधिमती जी प्राकट्योत्सव पर होंगे विविध कार्यक्रम

▪ स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। दाधीच ब्राह्मण समाज द्वारा माँ दधिमती का प्राकट्योत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा । इसे लेकर दाधीच समाज की बैठक रविवार को स्थानीय आजादनगर स्थित माँ दधिमती मंदिर में दाधीच समाज न्यास अध्यक्ष हरिप्रकाश कंठ की अध्यक्षता में आयोजित हुई । प्रवक्ता दीपक शर्मा ने बताया कि इस अवसर पर जिला दाधीच मण्डल अध्यक्ष जगदीश चन्द्र शर्मा, वरिष्ठजन भेरूलाल कलाश्री, पूर्व जिलाध्यक्ष कैलाश व्यास हलेड़, लाजपत आचार्य, हरिश्चंद्र जोशी,

मनीष भट्ट, रमेशचंद्र शर्मा, योगेश दाधीच, घनश्याम शर्मा, नीरज तिवाड़ी, ओमप्रकाश जोशी, राघव आचार्य, चंद्रप्रकाश शर्मा सहित अन्य समाजजनों ने सर्वसम्मति से माँ दधिमती जी का प्राकट्योत्सव को धूमधाम से मनाए जाने हेतु विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन का निर्णय लेकर समाजजनों से प्रत्येक कार्यक्रम में सक्रियतम योगदान करने का आव्हान किया ।

यूं आयोजित होंगे कार्यक्रम

न्यास अध्यक्ष हरिप्रसाद कंठ के अनुसार प्राकट्योत्सव के अंतर्गत दिनांक 18 जनवरी को मन्दिर परिसर में रक्तदान शिविर, 25 जनवरी को आजादनगर में शोभायात्रा, 26 जनवरी को माँ दधिमती जी की प्रतिमा का दुग्धाभिषेक एवं श्रृंगार, हवन, भजन, छप्पनभोग, महाआरती, सामाजिक वरिष्ठजनों एवं प्रतिभावान व्यक्तित्वों का अभिनन्दन कार्यक्रम इत्यादि आयोजित किए जाएंगे ।

जोगणिया माता के दर्शन को पहुंचीं पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया

▪ स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा । झालावाड़ से ब्यावर जाते समय राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया अचानक जोगणिया माता मंदिर पहुंचीं। यहां उन्होंने विधिवत पूजा-अर्चना कर माता रानी के दर्शन किए और प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की।

पूर्व मुख्यमंत्री के अचानक आगमन से मंदिर परिसर में कुछ समय के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। इस अवसर पर जोगणिया माता पूजा-अर्चना दर्शन संस्थान के अध्यक्ष सत्यनारायण शिवसिंह राणावत भी मौजूद रहे। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री का स्वागत किया एवं मंदिर की व्यवस्थाओं और धार्मिक गतिविधियों की जानकारी दी।

वसुंधरा राजे सिंधिया ने मंदिर परिसर की व्यवस्थाओं की सराहना की और संस्थान द्वारा किए जा रहे धार्मिक एवं सामाजिक कार्यों की प्रशंसा की। दर्शन के बाद उन्होंने श्रद्धालुओं से भी मुलाकात की और सभी को माता रानी का आशीर्वाद प्राप्त करने का संदेश दिया।

पूर्व मुख्यमंत्री के इस धार्मिक दौरे को लेकर क्षेत्र में उत्साह का माहौल देखा गया।

नाहरगढ़ चौराहे पर भीषण सड़क हादसा, एक महिला की मौत, दो गंभीर घायल

▪ स्मार्ट हलचल

काछोला । भीलवाड़ा जिले के काछोला क्षेत्र में धामनिया के निकट नाहरगढ़ चौराहे पर रविवार तड़के एक भीषण सड़क हादसा हो गया तेज रफ्तार कार सड़क किनारे खड़े ट्रेलर से जा टकराई, जिससे कार में सवार एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। बीगोद थाना प्रभारी जय सुल्तान कविया ने बताया कि हादसा रविवार तड़के उस समय हुआ जब कार के यात्री खाटू श्याम दर्शन कर वापस गुजरात जा रहे हे थे इस दौरान कार अनियंत्रित होकर खड़े ट्रेलर में पीछे से जा घुसी टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार के आगे का हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया प्रथम दृष्टया हादसे का कारण कार चालक को नींद की झपकी आना बताया जा रहा है, हालांकि पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है हादसे की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और तुरंत बीगोद थाना पुलिस को जानकारी दी सूचना पर बीगोद थाना पुलिस मौके पर

पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया मृतक महिला के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया, वहीं दोनों घायलों को गंभीर अवस्था में उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है पुलिस के अनुसार मृतक महिला हेतल बेन परमार व घायल गुजरात निवासी बताए जा रहे हैं हादसे के बाद कुछ समय के लिए सड़क पर यातायात भी प्रभावित रहा, जिसे पुलिस द्वारा सुचारु कराया गया बीगोद थाना प्रभारी जय सुल्तान कविया ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और हादसे के सभी पहलुओं की पड़ताल की जा रही है ।

तेज़ रफ्तार कार ने बाईक सवार को मारी टक्कर, अस्पताल में किया मृत घोषित

▪ स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा । सदर थाना क्षेत्र के छापरी के समीप एक तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में गंभीर घायल युवक को इलाज के लिए जिला अस्पताल लाया गया,जहां ड्यूटी डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया । पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों के सुपुर्द कर हादसे के कारणों की जांच शुरू की । सदर थाना पुलिस ने बताया कि सांवर मल किर पिता उदा लाल किर निवासी भडाणी खेड़ा शनिवार रात्रि को बाईक से अपने गांव जा रहा था इसी दौरान छापरी से हुर्निया खेड़ा के बीच उसकी बाइक को एक तेज रफ्तार इको कार ने उसे टक्कर मार दी ।हादसे में बाईक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया । घायल युवक को इलाज के लिए जिला अस्पताल लाया गया,जहां ड्यूटी डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।मृतक के शव को जिला अस्पताल की मोर्चरी में सुरक्षित रखवाया गया । थाना पुलिस ने रविवार को जिला अस्पताल की मोर्चरी पहुंचकर परिजनों की मौजूदगी में शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया।पुलिस ने परिजनो की रिपोर्ट के आधार पर उक्त कार चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी।

कंटेनर ट्रेलर से टकराया, कंटेनर चालक की हुई दर्दनाक मौत, करीब डेढ़ घंटे की मशक्कत कर निकाला चालक को बाहर,लगा लंबा जाम

▪ स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। पुर हाईवे पर रविवार को एक भीषण हादसा हो गया । आगे चल रहे ट्रेलर चालक द्वारा अचानक ब्रेक लगाने से पीछे आ रहा कंटेनर ट्रेलर से टकरा गया ।हादसे में कंटेनर चालक कंटेनर चालक की दर्दनाक मौत हो गई।करीब डेढ़ घंटों की मशक्कत कर कंटेनर चालक को पुलिस ओर एंबुलेंस कर्मियों ने बाहर निकाला। हादसे के बाद हाइवे पर काफी लंबा जाम लग गया।मिली जानकारी के अनुसार अख्तर हुसैन पिता वजीर हुसैन निवासी मोहम्मद नगर मेवात जो पेशे से कंटेनर चालक

है।रविवार को अख्तर अपने ट्रेलर को लेकर जा रहा था इसी दौरान पुर हाइवे पर उसके आगे चल रहे ट्रेलर चालक ने अचानक ब्रेक लगा दिए जिससे उसका कंटेनर ट्रेलर से टकरा गया।हादसे में कंटेनर की कैबिन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई ओर चालक उसमें फंस गया । हादसे की सूचना पर पुर थाना पुलिस ओर 108 एंबुलेंस मौके पर पहुंची और करीब 1.30 घंटों की मशक्कत कर चालक को बाहर निकाला और तुरंत जिला अस्पताल पहुंचाया,जिला अस्पताल के ड्यूटी डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक के शव को जिला अस्पताल की मोर्चरी में सुरक्षित रखवाया गया और पुर थाना पुलिस आने के बाद शव का पोस्टमार्टम करवाकर आगे की कार्यवाही शुरू की ।

बनास नदी के किनारों पर धड़ल्ले से अवैध बजरी दोहन,पुलिस की अनदेखी पर ग्रामीणों में रोष

▪ स्मार्ट हलचल

मंगरोप । कस्बे के बनास नदी क्षेत्र में इन दिनों अवैध बजरी खनन जोरों पर है बड़ा सवाल यह है कि यह मंगरोप पुलिस थाने से महज 150 मीटर दूर ही बेरोकटोक चल रहा है।पुलिस प्रशासन की अनदेखी के चलते बजरी माफियाओं के हौसले बुलंद होते जा रहे हैं।ग्रामीणों का कहना है कि माफिया रात 11 बजे से सुबह 5 बजे तक अंधेरे का फायदा उठाकर बड़े पैमाने पर नदी से बजरी समेट रहे हैं।स्थानीय लोगों ने बताया कि इस पूरे मामले की शिकायत पुलिस को कई बार फोन पर की गई,लेकिन अब तक किसी

भी प्रकार की कोई कार्रवाई नहीं होने से पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं।ग्रामीणों का आरोप है कि पुलिस की चुप्पी ने माफियाओं की गतिविधियों को और बढ़ावा दे दिया है।ग्रामीणों ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा लगाई गई रोक के बावजूद लगातार अवैध खनन किया जा रहा है।इससे न केवल कानून की अवहेलना हो रही है,बल्कि पर्यावरण एवं जल संरक्षण पर भी गंभीर खतरा मंडरा रहा है।ग्रामीणों का कहना है कि पहले ही बनास नदी का प्राकृतिक स्वरूप बुरी तरह प्रभावित हो चुका है।नदी किनारों पर बनी जल संरक्षण की सुरक्षा दीवारों को भीं खोदकर नष्ट किया जा रहा है।

यदि स्थिति पर तत्काल रोक नहीं लगाई गई तो निकट भविष्य में क्षेत्र के लोगों को भयंकर जल संकट से जूझना पड़ सकता है।ग्रामीणों ने जिला प्रशासन और पुलिस अधिकारियों से मांग की है कि समय रहते नदी पेटे में चल रहे अवैध बजरी दोहन पर कठोर कार्रवाई करते हुए पूर्णतःअंकुश लगाया जाए,ताकि भविष्य में जल संरक्षण के प्रयास सुरक्षित रह सकें।

बांग्लादेश के प्रधानमंत्री और जिहाद का पुतला फूंका

▪ स्मार्ट हलचल

बनेड़ा -पडौसी देश बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन के बाद हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों और जिहादी आतंकवाद के विरोध में बांग्लादेश के प्रधानमंत्री का पुतला दहन किया। रविवार सायं पुराना बस स्टैंड स्थित सत्यनारायण मंदिर के बाहर विश्व हिन्दू परिषद बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने इन घटनाओं के खिलाफ नारेबाजी करते हुए अपना आक्रोश जताते हुए विरोध प्रदर्शन और जिहादी आतंकवाद का पुतला दहन किया गया। इस दौरान गोतम चौपड़ा किशन माली यसवंत सिंह देवा लाल लोकेश प्रभाकर पाटोदिया अशोक दैराश्री सहित अन्य जने उपस्थित थे ।

टवेरा चोरी का खुलासाः तीन आरोपी गिरफ्तार, चोरी की कार भी बरामद

▪ स्मार्ट हलचल

चित्तौड़गढ़ । कोतवाली चित्तौड़गढ़ थाना पुलिस ने शहर में हुई चौपहिया वाहन चोरी की एक बड़ी वारदात का खुलासा करते हुए टवेरा कार बरामद की है। मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जिन्होंने इसी माह शहर से टाटा इंडिगो कार चोरी करने की वारदात भी स्वीकार की है।

जिला पुलिस अधीक्षक मनीष त्रिपाठी ने बताया कि 23 दिसंबर को भरत बाग के सामने स्थित टेम्पो शोरूम के बाहर से सोनुगिरी पुत्र बाबुगिरी गोस्वामी की टवेरा कार चोरी हो गई थी। इस संबंध में कोतवाली थाने पर प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की गई।

घटना की गंभीरता को देखते हुए एएसपी चित्तौड़गढ़ सरितासिंह के निर्देशन और डीएसपी बृजेशसिंह के सुपरविजन में थानाधिकारी तुलसीराम (पु.नि.) के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने तकनीकी साक्ष्यों और ह्यूमन इंटेलिजेंस के आधार पर चोरी में प्रयुक्त एक मारुति कार की पहचान की।

लगातार प्रयासों के बाद पुलिस ने तीन संदिग्धों को डिटेन कर पूछताछ की, जिसमें उन्होंने टवेरा कार चोरी करना स्वीकार किया। इसके बाद पुलिस ने कालू पुत्र देवीलाल तेली (28), निवासी शम्भुपुरा, मुरली नायक पुत्र दयाराम नायक (30), निवासी सतखंडा, निम्बाहेड़ा, इलियास हुसैन उर्फ सानू पुत्र इकबाल हुसैन पठान (35), निवासी कजौड़पुरा सावा को गिरफ्तार किया।

गिरफ्तार आरोपियों की निशानदेही पर चोरी की गई टवेरा कार बरामद कर ली गई। जांच में यह भी सामने आया कि चोरी में प्रयुक्त मारुति कार भी चोरी की थी, जिस संबंध में अलग से अनुसंधान जारी है।

अरावली बचाओ आंदोलन के तहत सुराज से किड़िमाल तक पैदल मार्च

▪ स्मार्ट हलचल

सरकार पर बरसे पूर्व राजस्व मंत्री रामलाल जाट

करेड़ा। अरावली पर्वतमाला के संरक्षण को लेकर अरावली बचाओ जन आंदोलन के तहत आसींद क्षेत्र के सुराज गांव से करेडा के किड़िमाल स्थित अंतर्राष्ट्रीय तीर्थ स्थल बेमाता तक एक विशाल पैदल मार्च निकाला गया। पैदल मार्च का समापन बेमाता मंदिर परिसर में हुआ। इस दौरान पूर्व राजस्व मंत्री रामलाल जाट ने पत्रकारों से रूबरू होते हुए भाजपा सरकार को आड़े हाथों लिया। जाट ने कहा कि प्रदेश में मनरेगा जैसी गरीबों की रोजगार योजना को कमजोर किया जा रहा है और दूसरी ओर अरावली पर्वत श्रृंखला को खनन के नाम पर नष्ट किया जा रहा है। रामलाल जाट ने कहा, "मैं गरीब जनता के साथ हूं। कंधे से कंधा मिलाकर उनके हक की लड़ाई लड़ूंगा और उनकी आवाज बनकर सरकार तक पहुंचाऊंगा। अरावली केवल पहाड़ नहीं, बल्कि हमारे जल, जंगल और जमीन की सुरक्षा की रीढ़ है।" उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार के संरक्षण में अरावली क्षेत्र में अवैध खनन को बढ़ावा दिया जा रहा है, जिससे पर्यावरण, जल स्रोत और ग्रामीण जीवन पर गंभीर संकट खड़ा हो गया है। पैदल मार्च के दौरान कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता, कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में ग्रामीणजन मौजूद रहे। सभी ने अरावली को बचाने, अवैध खनन रोकने और मनरेगा को मजबूती देने की मांग उठाई। मार्च के समापन पर बेमाता परिसर में आयोजित सभा में आंदोलन को और तेज करने का संकल्प लिया गया। वक्ताओं ने कहा कि यदि सरकार ने अरावली और गरीबों के मुद्दों पर गंभीरता नहीं दिखाई तो आंदोलन को व्यापक स्तर पर फैलाया जाएगा। इस दौरान क्षेत्र के बडी संख्या में महिला, पुरूष, युवा पैदल मार्च में शामिल थे

पुर में रेगर समाज की खेल प्रतियोगिताओं का भव्य समापन

हमें अपने महापुरुषों के आदर्शों को पढ़ना चाहिए ताकि समाज में जागरूकता आएः मोतीलाल सिंघानिया

▪ स्मार्ट हलचल

शंभूगढ़ क्रिकेट और बागोलिया कबड्डी में बना विजेता, अतिथियो ने किया विजेता एवं उपविजेता टीमों को सम्मानित

भीलवाडा। समस्त रेगर समाज पुर-भीलवाड़ा के तत्वावधान में आयोजित जिला स्तरीय क्रिकेट एवं मेवाड़ स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता का भव्य समापन समारोह आयोजित किया गया। इस खेल आयोजन में समाज की विभिन्न टीमों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिसमें शंभूगढ़ और बागोलिया की टीमों ने खिताबी जीत दर्ज की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में नीरज गुर्जर (पीसीसी सदस्य) उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि मोतीलाल सिंघानिया (सांसद प्रत्याशी, भीलवाड़ा), नरेंद्र रेगर (विधायक प्रत्याशी, शाहपुरा), रामेश्वरलाल दबकिया, अखेराम बडोदिया (अधीक्षण अभियंता, नगर निगम), और संतोष सुनारीवाल (तहसीलदार, बनेड़ा) मौजूद रहे।

साथ ही ईश्वर कराडिया, बंसीलाल कासोटिया, सोहन भोजपुरिया, नौरतमल डडवाडिया (अध्यक्ष 70 गाँव आमचोखला), डालचंद मुंडोतिया, रतन लाल डडवाडिया, मदन तगाया (सरपंच प्रतिनिधि मोखुंदा) सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता नाथूलाल तरुगरिया (अध्यक्ष, मेवाड़ रेगर महासभा संस्थान, मातृकुंडिया) ने की। अध्यक्षीय उद्बोधन में नाथूलाल तरुगरिया ने कहा कि समाज में शिक्षा के साथ-साथ खेलकूद भी अत्यंत आवश्यक है ताकि समाज की प्रतिभाओं को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिल सके। वहीं, मोतीलाल सिंघानिया ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा ही समस्त समस्याओं का समाधान है। हमें अपने महापुरुषों के आदर्शों को पढ़ना चाहिए ताकि समाज में जागरूकता आए। आयोजन समिति के बबलू सूंकरिया ने परिणामों की जानकारी देते हुए बताया कि क्रिकेट में फाइनल मुकाबला राजश्री भीलवाड़ा और शंभूगढ़ किंग्स के बीच खेला गया, जिसमें शंभूगढ़ ने 6 विकेट से जीत हासिल कर ट्रॉफी पर कब्जा किया। कबड्डी में अंतिम मुकाबला बागोलिया और शंभूगढ़ के बीच हुआ, जिसमें बागोलिया की टीम विजेता रही। विजेता एवं उपविजेता टीमों को अतिथियों द्वारा पुरस्कार वितरण कर सम्मानित किया गया। मंच का सफल संचालन राधेश्याम सुंकरिया ने किया। इस दौरान आयोजन समिति के रतनलाल, सांवर डांगरीवाल, संपत, राजेश जैलिया, अर्जुन, कन्हैया, रामलाल, गोपाल नोगिया, पप्पूलाल तगाया, राकेश तगाया, मुकेश, मदन, राहुल, रंगलाल, सोनू, पवन कासोटिया, सुरेश डडवाडिया, सुरेश डीजे, किशन, भैरु, सांवर आदि सदस्यों ने अपनी सक्रिय सेवाएं दीं।

नारायण बने एनएसयूआई शाहपुरा बनेड़ा विधानसभा अध्यक्ष

▪ स्मार्ट हलचल

बनेड़ा – भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन एनएसयूआई के प्रदेश प्रभारी अखिलेश यादव, प्रदेश अध्यक्ष विनोद जाखड़ के निर्देशानुसार भीलवाड़ा ग्रामीण जिलाध्यक्ष संपत गुर्जर ने कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए नारायण गुर्जर को शाहपुरा बनेड़ा विधानसभा अध्यक्ष, चांदमल नायक को बनेड़ा ब्लॉक अध्यक्ष व सूरज मेवाड़ा को शाहपुरा ब्लॉक अध्यक्ष नियुक्त किया । नियुक्ति से कार्यकर्ताओं में उत्साह नजर आया ।।

महुआ में रक्तदान शिविर आयोजित, 63 यूनिट रक्त संग्रह

▪ स्मार्ट हलचल

आकोला / महुआ कस्बे में रविवार को श्री राम गौशाला सेवा संस्थान के तत्वाधान में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।जिसमें क्षेत्रवासियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए कुल 63 यूनिट रक्तदान किया। रक्तदान शिविर में संस्था के पदाधिकारियों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने सक्रिय सहयोग प्रदान किया।शिविर के दौरान गोपाल विजयवर्गीय, जगदीश शर्मा,ब्रजमोहन शर्मा, लोकेश स्वर्णकार, टीकम सिंह चौहान, जितेन्द्र प्रजापत, चैतन्य राठौड़, कैलाश चन्द्र शर्मा, दिनेश वैष्णव, उमेश जोशी सहित आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे और आयोजन की सफल व्यवस्था में योगदान दिया।

शिलान्यासों लोकापर्णों में व्यस्त जनप्रतिनिधि, प्रशासन,

नेहरू रोड सहित कई सड़के बनी जानलेवा—सत्तारूढ़ नेताओं की चिट्ठियां भी ठंडे बस्ते में

▪ स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा / भीलवाड़ा शहर में नगर विकास न्यास (यूआईटी) और नगर निगम की घोर अनदेखी अब खुलकर सामने आ रही है। हालात यह हैं कि शहर दिन-ब-दिन कबाड़ में तब्दील होता जा रहा है, लेकिन जिम्मेदार विभागों पर इसका कोई असर दिखाई नहीं दे रहा। शहर की सबसे व्यस्त नेहरू रोड पर आज भी ऐसा खतरनाक अवरोध खड़ा है, जो मानव जीवन के लिए स्थायी खतरा बना हुआ है। रोजाना हजारों वाहन और पैदल राहगीर जान जोखिम में डालकर यहां से गुजर रहे हैं, लेकिन न तो इसे हटाया गया और न ही सुरक्षा के इंतजाम किए गए। सिर्फ नेहरू रोड ही नहीं, पुर बाईपास सहित शहर के कई इलाकों में सड़कें इतनी बदहाल हैं कि उन पर निकलना हर वक्त मौत को दावत देना साबित हो रहा है। गड्ढों, अधूरे निर्माण और फैले मलबे ने शहर की तस्वीर बिगाड़ दी है। हैरानी की बात यह है कि सत्तारूढ़ पार्टी के नेताओं द्वारा बार-बार पत्र लिखे जाने के बावजूद हालात जस के तस बने हुए हैं।

इन पत्रों का न तो नगर निगम पर कोई असर दिख रहा है और न ही यूआईटी पर। इससे साफ है कि विभागों की जवाबदेही पूरी तरह खत्म हो चुकी है। शहर में मंत्रियों के दौरे होते हैं, शिलान्यास और लोकार्पण के आयोजन भी होते हैं, लेकिन शहर की बुनियादी समस्याएं सिर्फ फाइलों और भाषणों तक सीमित रह गई हैं। जनता पूछ रही है कि जब सत्ता पक्ष के नेताओं की आवाज तक अनसुनी हो रही है, तो आम नागरिक किससे उम्मीद करे? अब बड़ा सवाल यह है कि क्या प्रशासन किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहा है, या फिर भीलवाड़ा की सड़कों को यूं ही जानलेवा बनाए रखा जाएगा?

भोजा पायरा में चतुर्थ प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन

▪ स्मार्ट हलचल

करेडा । मां पन्नाधाय शिक्षा सेवा समिति करेडा, रायपुर द्वारा चतुर्थ प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन भोजा पायरा देव स्थान पर महंत श्री 1008 सुरेश दास महाराज के सानिध्य में किया गया। समारोह की अध्यक्षता विधायक उदय लाल भडाणा, विशिष्ट अतिथि लाखा राम गुर्जर, पूर्व मंत्री कालु लाल गुर्जर, उप प्रधान व ट्रस्ट अध्यक्ष सुख लाल गुर्जर थे। समारोह के दौरान सभी वक्ताओं ने शिक्षा पर जोर देते हुए कहा कि शिक्षा से ही समाज, गाँव व देश का नाम रोशन हो सकता है और शिक्षा के साथ-साथ शरीर के लिए खेलकूद भी आवश्यक है। समारोह के दौरान दसवीं व बारहवीं, खेलकूद प्रतियोगिता एवं राजकीय सेवा में चयन 150 प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। समारोह के दौरान मेवाराम गुर्जर, आसकरण गुर्जर, बकसु राम गुर्जर, बालू राम गुर्जर, गिरधारी लाल गुर्जर सहित बडी संख्या में समाज के लोग उपस्थित थे।

कांग्रेस कार्यालय पर ध्वजारोहण व राष्ट्रगीत के साथ मनाया गया कांग्रेस का 141 वां स्थापना दिवस

कांग्रेस केवल दल ही नहीं,आज़ादी,संविधान और लोकतंत्र की जीवंत विचारधारा है : आंजना

▪ स्मार्ट हलचल

निंबाहेड़ा / भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के 141 वें स्थापना दिवस के अवसर पर निंबाहेड़ा नगर के डांक बंगला रोड स्थित पेच परिसर स्थित कांग्रेस कार्यालय पर पार्टी का ध्वज फहरा मनाया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत प्रातः 11:15 बजे ध्वजारोहण एवं राष्ट्रगीत के सामूहिक गायन के साथ हुई। इस अवसर पर कांग्रेस पार्टी की ऐतिहासिक परंपराओं, स्वतंत्रता संग्राम में उसके अतुलनीय योगदान और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता को स्मरण किया गया। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए चित्तौड़गढ़ जिला फुटबॉल संघ अध्यक्ष पूरण आंजना ने कहा कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस देश की सबसे पुरानी, सशक्त और जन आधारित राजनीतिक संस्था है जिसने अंग्रेजी हुकूमत के विरुद्ध संघर्ष कर भारत को आजादी दिलाने में निर्णायक भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि कांग्रेस केवल

एक राजनीतिक दल ही नहीं, बल्कि संविधान, लोकतंत्र, सामाजिक न्याय, समरसता, धर्मनिरपेक्षता और राष्ट्रीय एकता की विचारधारा है।

निंबाहेड़ा नगर पालिका के पूर्व अध्यक्ष सुभाषचन्द्र शारदा इस अवसर पर उपस्थित कांग्रेसजनों को संबोधित करते हुए कहा कि महात्मा गांधी, पंडित जवाहरलाल नेहरू, सरदार वल्लभभाई पटेल, मौलाना आजाद, लालबहादुर शास्त्री, सुभाषचंद्र बोस, इंदिरा गांधी जैसे महान नेताओं ने देश को आधुनिक, मजबूत और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा दी। आज भी कांग्रेस पार्टी किसानों, मजदूरों, युवाओं, महिलाओं एवं वंचित वर्गों के अधिकारों की रक्षा के लिए सतत संघर्ष कर रही है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे कांग्रेस की नीतियों, कार्यक्रमों और विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य पूरी निष्ठा, अनुशासन और समर्पण के साथ करें।

कार्यक्रम में इस अवसर पर निंबाहेड़ा नगर कांग्रेस संगठन महासचिव रविप्रकाश सोनी, जिला फुटबॉल संघ कोषाध्यक्ष मनोज पारख, विधानसभा युवा कांग्रेस अध्यक्ष जसवंत सिंह आंजना, चित्तौड़गढ़ जिला कांग्रेस विधि प्रकोष्ठ के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष लक्ष्मणसिंह सोलंकी, जिला कांग्रेस कमेटी के महासचिव मनोहर सिंह मीणा, जिला कांग्रेस सचिव नुसरत खान, सेवादल के नगर मुख्य संगठक दिनेश गुप्ता, कांग्रेस ओबीसी विभाग के नगर अध्यक्ष मुकेश माली, ब्लाक सेवादल के मुख्य संगठक उदित मीणाकांग्रेस कार्यालय प्रभारी जाकिर हुसैन सहित पदाधिकारी व गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

काछोला में अज्ञात कारणों से विवाहिता लटकी फांसी के फंदे पर, दहेज प्रताड़ना का आरोप

▪ स्मार्ट हलचल

काछोला । काछोला कस्बे के खटीक मोहल्ले में अज्ञात कारणों से एक विवाहिता का शव फांसी के फंदे पर लटका मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई घटना की जानकारी मिलते ही मोहल्ले वासियों में हड़कंप मच गया और तत्काल काछोला पुलिस को सूचना दी गई मृतका के परिजनों ने ससुराल पक्ष पर दहेज के लिए हत्या करने का गंभीर आरोप लगाते हुए पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई है परिजनों ने मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है सूचना पर काछोला पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का मुआयना किया मामले की गंभीरता को देखते हुए कोटड़ी पुलिस उपाधीक्षक सुरेश कुमार डाबरिया, काछोला थाना प्रभारी मालीराम तथा उप निरीक्षक बालकिशन शर्मा भी मौके पर पहुंचे अधिकारियों ने परिजनों से बातचीत कर उन्हें समझाइश की और आवश्यक कानूनी कार्रवाई की देर शाम काछोला सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में शव का पोस्टमार्टम कराए जाने के बाद पुलिस का कहना है कि मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है तथा पोस्टमार्टम रिपोर्ट व जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी घटना के बाद से क्षेत्र में शोक की लहर हे ।

राष्ट्रीय वॉलीबॉल में अरनेड़ की लेखिका शर्मा फिर लहराएंगी परचम

▪ स्मार्ट हलचल

ग्रामीण परिवेश से निकलकर दूसरी बार राष्ट्रीय मंच पर पहुंची डूंगला की बेटी, आंध्रप्रदेश में राजस्थान का करेंगी गौरवपूर्ण प्रतिनिधित्व

बड़ीसादड़ी। सपने जब दृढ़ संकल्प और अथक परिश्रम के साथ आगे बढ़ते हैं, तो मंज़िल खुद रास्ता बना लेती है। जिले के डूंगला क्षेत्र के अरनेड़ गांव की होनहार बेटी लेखिका शर्मा ने एक बार फिर यह सिद्ध कर दिया है कि प्रतिभा संसाधनों की मोहताज नहीं होती। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय अरनेड़ की कक्षा दसवीं की छात्रा लेखिका शर्मा पुत्री किशन शर्मा (पुष्करणा) का 14 वर्ष आयु वर्ग में वॉलीबॉल की 69वीं राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए चयन हुआ है। वे राजस्थान टीम की जर्सी पहनकर राष्ट्रीय मंच पर प्रदेश का मान बढ़ाएंगी। यह प्रतिष्ठित राष्ट्रीय प्रतियोगिता आंध्रप्रदेश के कडापा में नव वर्ष में 5 से 9 जनवरी तक आयोजित होगी। विशेष बात यह है कि यह लेखिका का दूसरा राष्ट्रीय चयन है जो उनकी कठोर मेहनत, अनुशासित दिनचर्या और खेल के प्रति अटूट समर्पण की सशक्त कहानी कहता है। सीमित संसाधनों, कठिन अभ्यास और पढ़ाई के साथ खेल को साधते हुए लेखिका ने जो मुकाम पाया है, वह ग्रामीण अंचल की अनगिनत बेटियों के लिए प्रेरणा बन गया है। लेखिका की इस उपलब्धि से न केवल उनका परिवार गर्व से अभिभूत है, बल्कि विद्यालय और पूरे क्षेत्र में उत्साह और खुशी की लहर दौड़ गई है।

सहकारिता मंत्री गौतम दक ने लेखिका को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ग्रामीण प्रतिभाओं की यह उड़ान प्रदेश के लिए गौरव का विषय है।

आंध्रप्रदेश में अरनेड़ की यह बेटी सिर्फ वॉलीबॉल नहीं खेलेगी, बल्कि अपने संघर्ष, संकल्प और सपनों की कहानी को राष्ट्रीय पटल पर उतारेगी, जहां हर अंक के साथ राजस्थान का गौरव और ऊँचा होगा।

स्व. रमेशचन्द्र व्यास को 51 वीं पुण्यतिथि पर अर्पित किये श्रद्धासुमन

कर्मभूमि गांधी मजदूर सेवालय, भीलवाड़ा में सैकड़ों कांग्रेसजनों एवं इंटक पदाधिकारियों ने प्रतिमा पर भावभीनी दी श्रद्धांजलि

▪ स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। स्वतंत्रता सैनानी, मजदूर हितों के रक्षक स्व. रमेशचन्द्र व्यास की पुण्यतिथि के अवसर पर उनकी कर्मभूमि गांधी मजदूर सेवालय, भीलवाड़ा में सैकड़ों कांग्रेसजनों एवं इंटक से सम्बद्ध श्रमिक संगठनों के पदाधिकारियों द्वारा प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित किये गये। राजस्थान इंटक के संस्थापक अध्यक्ष स्वर्गीय रमेश चंद्र व्यास (स्वतंत्रता सेनानी एवं पूर्व सांसद) की 51वीं पुण्यतिथि पर जिला इंटक की विशेष कार्य समिति बैठक का आयोजन स्वर्गीय व्यास की कर्मभूमि, श्रमिक संस्था गांधी मजदूर सेवालय भीलवाड़ा में श्रद्धासुमन अर्पित किये।

श्रद्धांजलि सभा में संस्था अध्यक्ष कैलाश व्यास, जिला कांग्रेस अध्यक्ष देहात रामलाल जाट, शहर अध्यक्ष शिवराम खटीक, भीलवाड़ा जिला इंटक अध्यक्ष दीपक व्यास, पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष अक्षय त्रिपाठी, बार कौंसिल ऑफ़ इंडिया को अध्यक्ष सुरेश चंद्र श्रीमाली, सहित वरिष्ठ कांग्रेस जन पूर्व सभापति ओमप्रकाश नाराणीवाल, प्रद्युम्न सिंह (हैप्पी बना), यूथ इंटक अध्यक्ष (उप प्रधान) श्यामलाल गुर्जर, जगदीश मानसिंहका, अरुण व्यास, सुमित्रा कांटिया, महासचिव महेश सोनी, उपनेता प्रतिपक्ष धर्मेंद्र पारीक, मनोज पालीवाल, पश्चिम ब्लॉक अध्यक्ष हेमेंद्र शर्मा, सेवादल अध्यक्ष योगेश सोनी, केसर सिंह, सुभाष झंवर, भारतीय मजदूर संघ प्रदेश सचिव प्रभाष चौधरी, प्रकाश ओझा, मेवाराम खोईवाल, फतेह लाल हेड़ा, सुमित्रा कांटिया, जिला इंटक महामंत्री कान सिंह चुंडावत, संयोजक छोटू सिंह पुरावत, नंदलाल गाडरी, जहीरूद्दीन मेवाफरोश, महिला इंटक की प्रीति शर्मा, लक्ष्मी लाल व्यास, गौरव व्यास, शैलेंद्र व्यास, काव्या व्यास, दिनेश जागेटिया सहित जिला पदाधिकारी एवं कांग्रेस जन, परिवार जनो में पुष्पांजलि अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

स्वत्वाधिकार प्रकाशन एवं मुद्रक राजकुमार आमेटा के लिए स्मार्ट कम्प्यूटर्स एण्ड प्रिन्टर्स, कोर्ट के सामने, माण्डलगढ़ से प्रकाशित एवं मुद्रित। सह. सम्पादक मो. 9649222850 Email.smarthalchalnews@gmail.com

स्वयंसिद्धा 2026 की तैयारियां अंतिम चरण में: ब्यावर में 3 से 5 जनवरी तक होगा महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम

▪ स्मार्ट हलचल

ब्यावर/ लघु उद्योग भारती के प्रमुख कार्यक्रम 'स्वयंसिद्धा 2026' की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। इस संबंध में अजमेर रोड स्थित अमर कुंज में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।

इकाई अध्यक्ष सचिन नाहर ने बताया कि यह प्रदर्शनी ब्यावर इकाई द्वारा लगातार तीसरे वर्ष 3 से 5 जनवरी तक आयोजित की जा रही है। पहले वर्ष जवाहर भवन में 44 स्टॉल थे, दूसरे वर्ष केशव नैन में 66 स्टॉल लगाए गए। इस वर्ष अमर कुंज में 100 से अधिक स्टॉल लगाए जाएंगे।

\प्रदर्शनी में ब्यावर के स्थानीय उत्पादों के साथ-साथ भीलवाड़ा, जयपुर, अजमेर, राजसमंद, जोधपुर, किशनगढ़, चित्तौड़गढ़, उदयपुर, पाली, प्रतापगढ़, नाथद्वारा, हैदराबाद और दिल्ली के प्रदर्शक भी शामिल होंगे।

प्रदर्शनी संयोजक पीयूष हेड़ा और श्रीकांत बिहानी ने बताया कि आगंतुकों को राष्ट्रीय स्तर के अधिवेशन जैसा अनुभव देने के लिए प्रदर्शनी को भव्य और सुव्यवस्थित रूप से सजाया जा रहा है। मौसम की प्रतिकूलता को देखते हुए पूरा प्रदर्शनी स्थल वाटरप्रूफ डोम से बनाया जा रहा है। सामाजिक सुरक्षा के लिए नागरिक सुरक्षा और अग्नि बीमा की व्यवस्था भी की गई है। आगंतुकों की सुविधा के लिए पार्किंग की सुव्यवस्थित व्यवस्था होगी।

प्रदर्शनी में महिलाओं के वस्त्र, फैशन उत्पाद, गोल्ड व सिल्वर ज्वेलरी, इमिटेशन ज्वेलरी, फर्नीचर, होम डेकोर, फर्निशिंग, बेकरी व खाद्य सामग्री, मसाले, आचार, स्थानीय उत्पाद जैसे गजक व तिलपट्टी, घरेलू व औद्योगिक सोलर प्लांट, सुरक्षा प्रणाली और आर्ट उत्पाद सहित विभिन्न प्रकार के उत्पाद प्रदर्शित किए जाएंगे। जीरो इफेक्ट-जीरो डिफेक्ट प्रमाणन से संबंधित उद्यमों के पंजीकरण के लिए भी एक स्टॉल लगाई जाएगी। प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य अजय खंडेलवाल ने बताया कि संस्था ब्यावर शहर में कई वर्षों से सोलर जागरूकता के प्रयास कर रही है। इसी के तहत बैंक ऑफ बड़ौदा मुख्य प्रायोजक और रतन ग्रीन एनर्जी सह-प्रायोजक के रूप में इस आयोजन से जुड़े हैं। प्रदर्शनी संयोजक रवि झंवर ने बताया कि बच्चों के मनोरंजन हेतु आकर्षक गेम जोन की व्यवस्था की गई है, जिसके सभी गेम महिला इकाई के सदस्यों द्वारा स्वयं निर्मित हैं। गेम जोन को और अधिक आकर्षक बनाने के लिए नगर के कई विद्यालयों में कक्षा 3 से 5 तक के विद्यार्थियों को निःशुल्क कूपन वितरित किए गए हैं। कार्यक्रम स्थल पर बच्चों के लिए कलर प्रतियोगिता तथा महिलाओं के लिए हेयर स्टाइल प्रतियोगिता भी आयोजित की जाएगी।

फूड कोर्ट में पंजाबी, राजस्थानी, दक्षिण भारतीय व्यंजन, ला पिनोज पिज़्ज़ा, तिरुपति डोसा सहित विभिन्न स्वादों का आनंद मिलेगा। वहीं ग्राम-शिल्प को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से बच्चों के लिए गुल्लक निर्माण एवं रंग भरने की विशेष स्टॉल भी लगाई जाएगी। महिला इकाई की ओर से नंदिता झंवर, श्वेता नाहर, रुचिका शर्मा, शोभन्ता मेहता एवं सुनीता जैन का विशेष सहयोग प्राप्त हो रहा है। उन्होंने बताया कि इस प्रदर्शनी का मुख्य उद्देश्य महिला सशक्तिकरण, महिला उद्यमियों को प्रोत्साहन तथा स्थानीय उत्पादों को राष्ट्रीय स्तर का मंच प्रदान करना है।

इस त्रि-दिवसीय प्रदर्शनी में प्रवेश पूर्णतः निःशुल्क रहेगा। प्रातः 9 बजे से रात्रि 9 बजे तक आयोजित होने वाले इस आयोजन में नगरवासी शॉपिंग, मनोरंजन, बच्चों व महिलाओं के कौशल विकास, सोलर एवं निवेश संबंधी जानकारी का लाभ उठा सकेंगे। बैठक का संचालन इकाई सचिव गगन भारद्वाज ने किया। राष्ट्रगान के साथ बैठक का समापन हुआ।

सुल्तान-ए-हिन्द की चौखट पर लकीरे जगाने आए हैं...

अकीदत के साथ मनाया गरीब नवाज का उर्स, देर रात तक चला तकरीरो का दौर

▪ स्मार्ट हलचल

हरसौर / ग्राम हरसौर के अजमेर रोड स्थित मुख्य ईदगाह में केजीएन अंजुमन सोसायटी के बैनर तले ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती गरीब नवाज का 814वां उर्स अकीदत और भाईचारे के साथ मनाया गया। इस अवसर पर ईदगाह एवं मस्जिदों में विशेष दुआएँ की गई। उर्स के मौके पर बड़ी संख्या में अकीदतमंदों ने शिरकत कर अमन-चैन, खुशहाली और भाईचारे की दुआ माँगी। कार्यक्रम के दौरान कव्वाली, मिलाद शरीफ और फातिहा का आयोजन किया गया। उर्स के सफल आयोजन में स्थानीय समाजसेवियों, युवाओं और कमेटी सदस्यों का विशेष सहयोग रहा। फैसल रजा चितौड़गढ़, सुलमान रजा, मोईनुद्दीन जामी बीकानेर, रिजवान सा. मेड़ता ने कुर्सी पर कोई भी बैठे, राजा मेरे ख्वाजा हैं...सुल्तान-ए-हिन्द की चौखट पर लकीरे जगाने आए हैं...तनवीरे मोहम्मद है चेहरा मेरे ख्वाजा का...नबी-ए-मोहम्मद के चहेते हैं ख्वाजा...गरीब नवाज की शान मेंअपने-अपने अंदाज में कलाम पेश किए। उर्स में मौलाना उस्मान रोशनी ने कहा कि गरीब नवाज का संदेश प्रेम, सेवा और इंसानियत का है, जिसे समाज में आत्मसात करने की आवश्यकता है। रजब अली बुखारी ने ख्वाजा गरीब नवाज के जीवन पर प्रकाश डाला।

ये रहे मौजूद-उर्स में सरपंच जाकिर हुसैन, पूर्व सदर सुलेमान खां मौलाना, कमेटी अध्यक्ष अजीज मोरजाल, दिलदार खान, कलीम मोरजाल, हसन दायमा, शाहरुख, अशरफ, शेरू मेशरी, सफी मोरजाल, सुल्तान मोहम्मद, गुलजार मोरजाल, सलीम मो., महबूब, आसिफ,रसीद, अली मोरजाल, इंसाफ सोलंकी, याकूब, रज्जाक, खालिद सहित बड़ी संख्या में अकीदतमंद मौजूद रहे।

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का 141 वा स्थापना दिवस मनाने के पश्चात जन जागरुकता यात्रा

▪ स्मार्ट हलचल

अरावली बचाओ जन-आंदोलन एवं मनरेगा संरक्षण अभियान

ब्यावर/ ब्यावर अरावली पर्वतमाला केवल राजस्थान की ऐतिहासिक धरोहर ही नहीं,बल्कि प्रदेश की जीवनरेखा है,पर्यावरण संतुलन,जल संरक्षण,जैव विविधता और आमजन के भविष्य की रक्षा के लिए अरावली का बचना अत्यंत आवश्यक है। इसी उद्देश्य को लेकर "अरावली बचाओ जन-आंदोलन"तथा मनरेगा को कमजोर करने की साजिश के खिलाफ राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह जी डोटासरा के निर्देशानुसार जन-जागरण हेतु एक पैदल मार्च/जन-जागरूकता रैली का आयोजन ब्रह्मानंद बगीची से लेकर शास्त्री सर्किल पर लालबहादुर शास्त्री जी की प्रतिमा की जल से धुलाई करके माल्यार्पण किया गया इस जन जागरूकता रैली का आयोजन ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ब्यावर के नेतृत्व में किया गया रैली बगीची से रवाना हुई उदयपुर रोड़ होती हुई शास्त्री सर्किल पहुंच कर उन्हें नमन करते हुए जय जवान जय किसान के नारे लगाते हुए आकाश गुंजायमान करते हुए सर्किल पर रैली का समापन किया प्रवक्ता राजेन्द्र तुनगरिया ने बताया कि अरावली पर्वतमाला को बचाने के लिए ब्लॉक कांग्रेस कमेटी आंदोलन करती हुई सदैव तैयार है

रैली में कांग्रेस प्रत्याक्षी पारस पंच, वरिष्ठ नेता दिनेश शर्मा, जवाजा ब्लॉक अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह लोटयाना, जगदीश सिंह, शैलेश शर्मा ,नि पार्षद राजेन्द्र तुनगरिया, रामनिवास सेन, अजय स्वामी, भुवनेश शर्मा, घनश्याम फुलवारी, राकेश साहू, RGPRS जिलाध्यक्ष राम यादव, बालूराम सेन, देवकरण शर्मा, बाबूलाल पंवार, अशोक पंडित, धर्म सिंह भाटी, एड राजकुमारी तंवर, अशोक साहू, बलदेव सिंह रावत, राधिका शर्मा, चेतन भट्ट, लक्ष्मीकांत सेन, कमलेश बोहरा, सोनू चौहान, सुरेश साहू आदि सम्मिलित हुए

कांग्रेस पार्टी का 140 वां स्थापना दिवस मनाया कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने

▪ स्मार्ट हलचल

भिनाय। रविवार को कांग्रेस पार्टी का 140 वा स्थापना दिवस एवं अरावली बचाओ और मनरेगा योजना में नाम परिवर्तन करने के विरोध प्रदर्शन में भिनाय में पैदल मार्च किया। ब्लॉक कांग्रेस भिनाय के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश महासचिव एवं पूर्व विधायक राकेश पारीक, ब्लॉक अध्यक्ष गिरधारी लाल गुर्जर, कैलाश मिश्रा, कालूराम प्रजापत, विजय धाभाई, मनीष सुकरिया, हमेंद्र बालोटिया, चंपालाल बैरवा, सांवर लाल जाट, सुखदेव प्रजापत, कानाराम,शिवराज जाट, द्वारका गुर्जर, राजू वैष्णव, मांगीलाल,कालूराम,रंगलाल गुर्जर, गोपाल ,शिवराज भड़ाना,हेमराज ,प्रहलाद कुम्हारिया, घीसालाल, कैलाश, रामदेव गुर्जर, नाथु कालबेलिया,सांवरलाल सोल, लक्ष्मण गुर्जरवाड़ा, भागचंद मिश्रा, रजनीश गर्ग, धर्मीचंद जाट,सुरेश भाबू,हरजी नेताजी, एवं अन्य सैकड़ों कार्यकर्ताओ ने पैदल मार्च कर अरावली पर्वतमाला पर हो रहे अवैध खनन व मनरेगा के नाम परिवर्तन करने को लेकर विरोध प्रदर्शन किया।

खेत पर कब्जा करने आए 9 बदमाश गिरफ्तार, भेजा जेल

▪ स्मार्ट हलचल

थांवला। समीप के ग्राम लाडपुरा में शनिवार शाम को कोला की ढ़ाणी निवासी एक परिवादी के खेत को कब्जाने के लिए बदमाशी करने की फिराक में अलग अलग गांवों के मजदूरों की टीम बनाकर खेत में तारबन्दी और सीमाबन्दी कराने आए 9 आरोपियों को पुलिस ने मौके से गिरफ्तार कर रियांबड़ी मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया गया जहां से आरोपियों के अपराध की प्रवृति को देखते हुए कार्यपालक मजिस्ट्रेट ने सभी आरोपियों को जेल भेज दिया। इधर ग्रामीणों सहित लाडपुरा सरपंच ने पुलिस की प्रशंसा करते हुए त्वरित कार्रवाई पर थांवला पुलिस का आभार जताया है। जानकारी के अनुसार पुलिस थाने के आसूचना अधिकारी श्यामलाल को शनिवार शाम करीबन 5.30 बजे सूचना मिली कि ओमसिंह पुत्र खीवंसिह निवासी रावतखेड़ा की लाडपुरा सरहद में आई हुई जमीन पर कुछ लोग पीक-अप में तारबन्दी के खंभे लेकर आए है और लड़ाई झगड़ा करने पर आमादा है, समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो खूनखराबा हो सकता है। ड्यूटी अधिकारी चन्द्रप्रकाश हैड कांस्टेबल तुरंत टीम लेकर मौके पर पहुंचे जहां दीपेश दमामी पुत्र शिवप्रसाद निवासी गोविन्दगढ़, वही के किसी दलाल की खरीदशुदा जमीन पर कब्जा करने के लिए टीम लेकर मौके पर आया हुआ है, जो मजदूरी बनकर तारबन्दी करने और लड़ाई झगड़ा करने पर आमादा थे, पुलिस की समझाईश के बाद भी आरोपी दीपेश और उसकी टीम के पुष्पेन्द्र पुत्र राजेन्द्र निवासी चाचियावास अजमेर, शिवराज पुत्र मूलचन्द गुर्जर निवासी घूघरा अजमेर, महेन्द्र पुत्र हरजीराम कालबेलिया, निवासी घूघरा, अजमेर, अक्षय पुत्र पप्पूराम गुर्जर, निवासी अजमेर, कुलदीप पुत्र श्यामबाबू खंगार, निवासी अजमेर, सुनिल पुत्र प्रहलाद तेली निवासी वैशाली नगर अजमेर, सागर पुत्र दीपक वाल्मिकी अजमेर, राजू पुत्र कैलाश कालबेलिया पुलिस की समझाईश को दरकिनार कर मौके पर हो हल्ला करने लगे तब पुलिस ने मौके से शांतिभंग के आरोप में उक्त सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर रियांबड़ी कार्यपालक मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया गया,

रास्ते को लेकर ग्रामीण व बजरी लीज कर्मी हुए आमने-सामने, आधा दर्जन घायल

▪ स्मार्ट हलचल

सवाईपुर :- बड़लियास थाना क्षेत्र से गुजर रही बनास नदी में उसे समय माहौल गर्मा गया, जब रास्ता बनाने को लेकर ग्रामीण व बजरी लीज कर्मियों की आपस में झडप हो गई, जिसमें करीब आधा दर्जन लोग घायल हुए, घायलों को जिला चिकित्सालय में भर्ती करवाया गया । सूचना पर बड़लियास थाना पुलिस मौके पर पहुंची । बड़लियास थाना सब इंस्पेक्टर महेंद्र मीणा ने बताया कि अड़सीपुरा व सोपुरा के बीच बनास नदी में रास्ता बनाने को लेकर ग्रामीण व बजरी लीज कर्मियों की आपस में झडप हो गई, मारपीट में करीब आधा दर्जन लोग घायल हो गए, वही एक जेसीबी मशीन में भी तोड़फोड़ की गई, घायलों को भीलवाड़ा जिला चिकित्सालय में भर्ती करवाया गया, वहीं सूचना पर बड़लियास थाना व सवाईपुर चौकी पुलिस मौके पर पहुंची, पुलिस मामले की जांच कर रही ।

गुलाब की खेती

भूमिका

गुलाब अपनी उपयोगिताओं के कारण सभी पुष्पों में महत्त्वपूर्ण स्थान रखता है। आमतौर पर गुलाब का पौधा ऊंचाई में 4-6फुट का होता है। तने में असमान कांटे लगे होते हैं। गुलाब की 5 पत्तियां मिली हुई होती है। बहुत मात्रा में मिलने वाला गुलाब का फूल गुलाबी रंग का होता है। गुलाब का फल अंडाकार होता है। इसका तना कांटेदार, पत्तियां बारी-बारी से घेरे में होती है। पत्तियों के किनारे दांतेदार होती है। फल मांसल बेरी की तरह होता है जिसे 'रोज हिप' कहते हैं। गुलाब का पुष्पवृन्त कोरिम्बोस, पेनीकुलेट या सोलिटरी होता है।

गुलाब एक भारतीय पुष्प है। पूरे भारत में गुलाब के पौधे पाए जाते हैं। गुलाब का वैज्ञानिक नाम रोजा हाइब्रिडा है। देशी गुलाब लाल रंग का होता है। परन्तु कलम करके कई रंगो के गुलाब उगाए जाते हैं। गुलाब एक ऐसा फूल है, जिसके बारे में सब जानते हैं। गुलाब का फूल दिखने में जितना अधिक सुन्दर होता है। उससे कहीं ज्यादा उसमें औषधीय गुण होते हैं। यह सबसे पुराना सुगन्धित पुष्प है, जो मनुष्य के द्वारा उगाया जाता था। इसके विभिन्न प्रकार के सुन्दर फूल जो कि आर्कषक, आकृति, विभिन्न आकार, मन को लुभाने वाले रंगों और अपने विभिन्न उपयोगिताओं के कारण एक महत्त्वपूर्ण पुष्प माना जाता है।

गुलाब की उपज भूमि की उर्वरा शक्ति फसल की देखरेख एवं प्रजातियों पर निर्भर करती हैढ़ फूलों का गुण हैं खिलना, खिल कर महकना, सुगंध बिखेरना, सौंदर्य देना और अपने देखने वाले को शांति प्रदान करना। फूलों की इस खूबसूरत दुनिया में गुलाब का एक खास स्थान है क्योंकि इसे सौंदर्य, सुगंध और खुशहाली का प्रतीक माना गया है। तभी तो इसे 'पुष्प सम्राट' की संज्ञा दी गयी है और 'गुले-आप', यानी फूलों की रौनक भी कहा गया है। इस की भीनीभीनी मनमोहक सुगंध, सुन्दरता, रंगों की विविध किस्मों के कारण हर प्रकृति प्रेमी इसे अपनाना चाहता है।

भारत में गुलाब हर जगह उगाया जाता है। बागबगीचों, खेतों, पार्कों, सरकारी व निजी इमारतों के अहातों में, यहाँ तक कि घरों की ग्रह-वाटिकाओं की क्यारियों और गमलों में भी गुलाब उगा कर उस का आनंद लिया जाता है। गुलाब पूरे उत्तर भारत में, खासकर राजस्थान में तथा बिहार और मध्य प्रदेश में जनवरी से अप्रैल तक खूब खिलता है। दक्षिण भारत में खासतौर पर बंगलौर में और महाराष्ट्र और गुजरात में भी गुलाब की भरपूर खेती होती है।

गुलाब को घर पर गमले में खिड़की की मंजूषा में, रसोई बगीचे की क्यारी में, आँगन में उगाने के लिए पर्याप्त धूप का होना एक आवश्यक शर्त है। गुलाब को दिन में कम से कम छः से आठ घंटे की खुली धूप होना आवश्यक है। गुलाब के पौधों के लिए पर्याप्त जीवांशयुक्त मिट्टी अच्छी होती है। बहुत चिकनी मिट्टी इसके अनुकूल नहीं होती है। मिट्टी का जल निकास और वायुसंचार सुचारु होना चाहिए। भूमि में हल्की नमी बनी रहना चाहिए। गुलाब को विश्वभर में पसंद किया जाता है। इस पर व्यापक अनुसंधान एवं विकास कार्य किए गए हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गुलाब प्रेमियों के संगठन हैं, जो नई किस्मों के विकास, परिचिन्हन, मानकीकरण आदि करते हैं। इसके अनुसार पौधों की बनावट, ऊँचाई, फूलों के आकार आदि के आधार पर इन्हें निम्न वर्गों में बाँटा गया है।

गुलाब का व्यवसाय

गुलाब की खेती व्यावसायिक स्तर पर करके काफी लाभ कमाया जा सकता है। गुलाब की खेती बहुत पहले से पूरी दुनिया में की जाती हैढ़ इसकी खेती पूरे भारतवर्ष में व्यवसायिक रूप से की जाती हैढ़ गुलाब के फूल डाली सहित या कट फ्लावर तथा पंखुड़ी फ्लावर दोनों तरह के बाजार में व्यापारिक रूप से पाये जाते हैढ़ गलाब की खेती देश व विदेश निर्यात करने के लिए दोनों ही रूप में बहुत महत्वपूर्ण हैढ़ गुलाब को कट फ्लावर, गुलाब जल, गुलाब तेल, गुलकंद आदि के लिए उगाया जाता हैढ़ गुलाब की खेती मुख्यतः कर्नाटक, तमिलनाडु, महाराष्ट्रा, बिहार, पश्चिम बंगाल ,गुजरात, हरियाणा, पंजाब, जम्मू एवं कश्मीर, मध्य प्रदेश, आंध्रा प्रदेश एवं उत्तर प्रदेश में अधिक की जाती हैढ़

फूल के हाट में गुलाब के गजरे खूब बिकते हैं। गुलाब की पंखुडियों और शक्कर से गुलकन्द बनाया जाता है। गुलाब जल और गुलाब इत्र के कुटीर उद्योग चलते है। उत्तर प्रदेश में कन्नौज, जौनपुर आदि में गुलाब के उत्पाद की उद्योगशाला चलती है। दक्षिण भारत में भी गुलाब के उत्पाद के उद्योग चलते हैं। दक्षिण भारत में गुलाब फूलों का खूब व्यापार होता है। मन्दिरों, मण्डपों, समारोहों, पूजा-स्थलों आदि स्थानों में गुलाब फूलों की भारी खपत होती है। यह अर्थिक लाभ का साधन है। वहाँ हजारों ग्रामीण युवा फूलों को अपनी आय का माध्यम बना लेते हैं।

गुलाब की किस्में

भारत में उगाई जाने वाली गुलाब की परम्परागत किस्में हैं, जो देश के अलगअलग इलाकों में उगाई जाते हैं, विदेशों से भी

अलगअलग किस्में मांगा कर उन का 'संकरण' (2 किस्मों के बीच क्रास) कर के अनेक नई व उन्नत किस्में तैयार की गयी हैं, जो अब अपने देश में बहुत लोकप्रिय हैं।

गुलाब की विदेशी किस्में जर्मनी, जापान, फ्रास, इंग्लैण्ड, अमेरिका, आयरलैंड, न्यूजीलैंड और आस्ट्रेलिया से मंगाई गयी हैं। भारतीय गुलाब विशेषज्ञों ने देशी किस्मों में भी नयी विकसित 'संकर' (हाईब्रिड) किस्में जोड़ कर गुलाब की किस्मों की संख्या में वृद्धि की है। इस दिशा में दिल्ली स्थित भारती कृषि अनुसंधान संस्थान का अनुसंधान कार्य खास उल्लेखनीय है। दक्षिण भारत में भारतीय बागबानी अनुसंधान संसथान, बंगलौर ने भी किस्मों के विकास और वृद्धि में भरपूर कार्य किया है। मात्र शौक और सजावट के लिये गुलाब का पौधा जब गमले में उगाया जाए तो किस्मों का चुनाव भी उसी के अनुसार किया जाना चाहिए। व्यावसायिक स्तर पर गुलाब की खेती करनी हो तो वैसी ही किस्मों का चयन करें। इस बारे में प्राय- सभी बड़ी नर्सरियों में पूरी जानकारी मिल सकती है। दिल्ली में हों तो भारतीय कृषि अनुसंधान पूसा के पुष्प विज्ञान विभाग से उचित जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

वैसे तो विश्व भर में गुलाब की किस्मों की संख्या लगभग 20 हजार से अधिक है, जिन्हें विशेषज्ञों ने विभिन्न वर्गों में बांटा है लेकिन तक्नीकी तौर पर गुलाब के 5 मुख्य वर्ग हैं, जिन का फूलों के रंग, आकार, सुगंध और प्रयोग के अनुसार विभाजन किया गया है, जो इस प्रकार हैं- हाईब्रिड टीज, फ्लोरीबंडा, पोलिएन्था वर्ग, लता वर्ग और मिनिएचर वर्ग।

हाईब्रिड टीज वर्ग

यह बड़े आकार के गुलाबों का एक महत्वपूर्ण वर्ग है, जिस में टहनी के ऊपर या सिरे पर एक ही फूल खिलता है, इस वर्ग की अधिकतर किस्में यूरोप और छीन के 'टी' गुलाबों के 'संकर' (क्रास) से तैयार की गयी है, इस वर्ग की भारतीय किस्में हैं = डा.होमी भाभा, चितवन, भीम, चित्रलेखा, चंद्रकंदीकली, गुलजार, मिलिंद, मृणालिनी, रक्तगंधा, सोमा, सुरभी, नूरजहाँ, मदहोश, डा. बैंजमन पाल आदि।

हाइब्रिड टी (एचटी),इस वर्ग के पौधे बड़े, ऊँचे व तेजी से बढ़ने वाले होते हैं। इस वर्ग की प्रमुख किस्में अर्जुन, जवाहर, रजनी, रक्तगंधा, सिद्धार्थ, सुकन्या आदि हैं। इनके पुष्प शाखा के सिरे पर बड़े आकर्षक लगते हैं। एक शाखा के सिरे पर एक ही फूल आता है।

फ्लोरीबंडा वर्ग

यह हाईब्रिड टीज और पोलिएन्था गुलाबों के संकर (मिलन) से विकसित किये गए गुलाबों का वर्ग है। इस के फूल उपेक्षाकृत छोटे किन्तु गुच्छों में खिलतें हैं और आकार व वजन में बढ़िया होते हैं। इस वर्ग के फूल गृहवाटिका की क्यारियों और गमलों में ज्यादा देखने को मिलते हैं। इस किस्म की विशेषता है कि इन के पौधे कम जगह में ही उगा कर पर्याप्त फ्लोरीबंडा, इसके पौधे मध्यम लंबाई वाले होते हैं, इनमें फूल भी मध्यम आकार के और कई फूल एक साथ एक ही शाखा पर लगते हैं। इनके फूलों में पंखुड़ियों की संख्या हाइब्रिड टी के फूलों की अपेक्षा कम होती हैं। इस वर्ग की प्रमुख किस्में बंजारन, आम्रपाली, ज्वाला, रांगोली, सुषमा आदि हैं।

ग्रेन्डीफ्लोरा

यह उपरोक्त दोनों किस्मों के संयोग से तैयार किया गया है। गुलदानों में इस वर्ग के फूलों को अधिक पसंद किया जाता है। बड़े स्तर पर खेती के लिए इस वर्ग का अधिक उपयोग किया जाता है। गोल्ड स्मॉट, मांटेजुआ, क्वीन एलिजाबेथ इस वर्ग की प्रचलित किस्में हैं।

पॉलिएन्था

इस वर्ग के पौधों को घरेलू बगीचों व गमलों में लगाने के लिए पसंद किया जाता है। क्योंकि इनमें मध्यम आकार के फूल अधिक संख्या में साल में अधिक समय तक आते रहते हैं। इस वर्ग की प्रमुख किस्में स्वाति, इको, अंजनी आदि हैं।

मिनिएचर वर्ग

इस के पौधे, पट्टियां और फूल सभी छोटे होते हैं। पौधे कलामों द्वार उगे जाते हैं। यह गमलों, पतियों आदि में उगाने की उपयुक्त किस्म है। गृहवाटिका की क्यारियों के चारों ओर बार्डर लगाने के लिये भी उपयुक्त है। गुलाब के फूल खिलने का मौसम (अक्टूबर से मार्च) में इस किस्म के गुलाब खूब खिलते हैं। विभिन्न रंगों लगते हैं। इन्हें बड़े शहरों में बंगलों, फ्लैटों आदि में छोटे गमलों में लगाया जाना उपयुक्त रहता है, परंतु धूप की आवश्यकता अन्य गुलाबों के समान छः से आठ घंटे आवश्यक है। इस वर्ग की प्रमुख किस्में ड्वार्फ किंग, बेबी डालिंग, क्रीकी, रोज मेरिन, सिल्वर टिप्स आदि हैं।

लता वर्ग (क्लैम्बिंग एंड रैंबलिंग रोज)

इस वर्ग के गुलाब के पौधे लताओं के रोप में बढ़ते हैं और पैराबोला पर या दीवार का सहारा पा कर बढ़ते हैं। ये साल में केवल एक बार खिलते हैं।

ये गुलाब की बेल (लता) वाली किस्में हैं। इन्हें मेहराब या अन्य किसी सहारे के साथ चढ़ाया जा सकता है। इनमें फूल एक से तीन (क्लाइंबर) व गुच्छों (रेम्बलर) में लगते हैं। इस की मुख्य किस्में है सदाबहार, समर स्नो, डा.होमी भाभा, मार्शल नील, दिल्ली वाईट पर्ल आदि।

क्लाइंबर वर्ग की प्रचलित किस्में गोल्डन शावर, कॉकटेल, रायल गोल्ड और रेम्बलर वर्ग की एलवटाइन, एक्सेलसा, डोराथी पार्किंस आदि हैं।

गुलाब में जितने रंगों के फूल देखने को मिलते हैं उतने शायद किसी दूसरे फूल में नहीं। यदि सफ़ेद गुलाब हैं तो पीले, लाल, नारंगीलाल, रक्तलाल, गुलाबी लेवेंडर रंग के दोरंगे, तीरंगे और यहाँ तक कि अब तो नीले और काले रंग के गुलाब भी पाए जाते है।

गुलाब की खेती के लिए जलवायु और भूमि

गुलाब की खेती उत्तर एवं दक्षिण भारत के मैदानी एवं पहाड़ी क्षेत्रों में जाड़े के दिनों में की जाती हैढ़ दिन का तापमान 25 से 30 डिग्री सेंटीग्रेट तथा रात का तापमान 12 से 14 डिग्री सेंटीग्रेट उत्तम माना जाता हैढ़ गुलाब की खेती हेतु दोमट मिट्टी तथा अधिक कार्बनिक पदार्थ वाली होनी चाहिएढ़ जिसका पी.एच. मान 5.3 से 6.5 तक उपयुक्त माना जाता है।

गुलाब की उन्नतशील प्रजातियां

गुलाब की लगभग 6 प्रकार की प्रजातियां पाई जाती है प्रथम संकर प्रजातियां जिसमे कि क्रिमसन ग्लोरी, मिस्टर लिंकन, लवजान, अफकैनेडी, जवाहर, प्रसिडेंट, राधाकृष्णन, फर्स्ट लव , पूजा, सोनिया, गंगा, टाटा सैंटानरी, आर्किड, सुपर स्टार, अमेरिकन हेरिटेज आदि हैढ़ दूसरे प्रकार कि पॉलीएन्था इसमे अंजनी, रश्मी, नर्तकी, प्रीत एवं स्वाती आदिढ़ तीसरे प्रकार कि फ् लोरीबण्डा जैसी कि बंजारन, देहली प्रिंसेज, डिम्पल, चन्द्रमा, सदाबहार, सोनोरा, नीलाम्बरी, करिश्मा सूर्यकिरण आदिढ़ चौथे प्रकार कि गैंडीफलोरा इसमे क्रीस, मांटेजुमा आदिढ़ पांचवे प्रकार कि मिनीपेचर ब्यूटी क्रिकेट, रेड फ्लस, पुसकला, बेबीगोल्ड स्टार, सिल्वर टिप्स आदि और अंत में छठवे प्रकार कि लता गुलाब इसमे काक्लेट, ब्लैक बॉय, लैंड मार्क, पिंक मेराडोन, मेरीकलनील आदि पाई जाती है।

गुलाब के खेतों की तैयारी

सुंदरता की दृष्टि से औपचारिक लेआउट करके खेत को क्यारियों में बाँट लेते है क्यारियों की लम्बाई चौड़ाई 5 मीटर लम्बी 2 मीटर चौड़ी रखते हैढ़ दो क्यारियों के बीच में आधा मीटर स्थान छोड़ना चाहिएढ़ क्यारियों को अप्रैल मई में एक मीटर की गुड़ाई एक मीटर की गहराई तक खोदे और 15 से 20 दिन तक खुला छोड़ देना चाहिएढ़ क्यारियों में 30 सेंटीमीटर तक सूखी पत्तियो को डालकर खोदी गयी मिट्टी से क्यारियों को बंद कर देना चाहिए साथ ही गोबर की सड़ी खाद एक महीने पहले क्यारी में डालना चाहिए इसके बाद क्यारियों को पानी से भर देना चाहिए साथ ही दीमक के बचाव के लिए फालीडाल पाउडर या कार्बोफ्यूरान 3 जी. का प्रयोग करेढ़ लगभग 10 से 15 दिन बाद ओठ आने पर इन्ही क्यारियों में कतार बनाते हुए पौधे व् लाइन से लाइन की दूरी 30 गुने 60 सेंटीमीटर रखी जाती हैढ़ इस दूरी पर पौधे लगाने पर फूलों की डंडी लम्बी व् कटाई करने में आसानी रहती है।

गुलाब की खेती के लिए आवश्यक सावधानियां

बरसात के मौसम में गमलों और क्यारियों में बहुत देर तक पानी भरा न रहने दें।

हर साल, पौधों की छंटाई कर, गमले के ऊपर की 2-3 इंच मिट्टी निकाल कर उस में उतनी ही गोबर की सड़ी खाद भर दें।

हर 2-3 साल के बाद सम्पूर्ण पौधे को मिट्टी सहित नए गमले में ट्रांसफर कर दें। चाहें तो गमले की मिट्टी बदल कर ताजा मिश्रण भरें।

यह प्रक्रिया सितम्बर-अक्टूबर में करें।

गुलाब की खेती में खाद और उर्वरकों की आवश्यकता

उत्तम कोटि के फूलों की पैदावार लेने के हेतु प्रूनिंग के बाद प्रति पौधा 10 किलोग्राम गोबर की सड़ी खाद मिट्टी में मिलाकर सिंचाई करनी चाहिएढ़ खाद देने के एक सप्ताह बाद जब नई कोपल फूटने लगे तो 200 ग्राम नीम की खली 100 ग्राम हड्डी का चूरा तथा रासायनिक खाद का मिश्रण 50 ग्राम प्रति पौधा देना चाहिएढ़ मिश्रण का अनुपात एक अनुपात दो अनुपात एक मतलब यूरिया, सुपर फास्फेट, पोटाश का होना चाहिए।

गुलाब की देखभाल

गुलाब के लिए सिंचाई का प्रबंधन उत्तम होना चाहिएढ़ आवश्यकतानुसार गर्मी में 5 से 7 दिनों के बाद तथा सर्दी में 10 से 12 दिनों के बाद सिंचाई करते रहना चाहिए। उत्तर प्रदेश के मैदानी भागो में कटाई-छटाई हेतु अक्टूबर का दूसरा सप्ताह सर्वोत्तम होता है लेकिन उस समय वर्षा नहीं होनी चाहिएढ़ पौधे में तीन से पांच मुख्य टहनियों को 30 से 40 सेंटीमीटर रखकर कटाई की जाती हैढ़ यह ध्यान रखना चाहिए कि जहाँ आँख हो वहाँ से 5 सेंटीमीटर ऊपर से कटाई करनी चाहिएढ़ कटे हुए भाग को कवकनाशी दवाओ से जैसे कि कापर आक्सीक्लोराइड, कार्बेन्डाजिम, ब्रोडोमिश्रण या चौबटिया पेस्ट का लेप लगना आवश्यक होता हैढ़

गमलों के लिये मिट्टी का मिश्रण कुछ इस तरह से रखें। 2 भाग खेत की मिटटी, एक भाग खूब सड़ी गोबर की खाद, एक भाग में सूखी हरी पत्ते की खाद (लीफ मॉल्ड) और लकड़ी का बुरादा मिला लें। सम्भव हो तो कुछ मात्रा में हड्डी का चुरा भी मिला लें। इस से पौधों और जड़ों का अच्छा विकास होता है।

याद रहे कि गमलों में पौधों का रखरखाव वैसा ही हो, जैसी कि क्यारियों में होता है, उन की उचित निराईगुडाई में होता है। मसलन, पौधों को पूरी खुराक मिले, उन की उचित निराईगुडाई और सिंचाई हो, कीट व्याधियों से बचाव हो, गमलों के पौधों को मौसम के अनुसार समय-समय पर पानी दिया जाए और उन की कटाईछंटाई भी की जाए। सप्ताह में एक बार गमलों की दिशा भी अवश्य बदलें और उन के तले से पानी निकलने का चित्र भी उचित रूप से खुला रखें। गुलाब में माहू, दीमक एवं सल्क कीट लगते हैढ़ माहू तथा सल्क कीट के दिखाई देने पर तुरंत डाई मिथोएट 1.5 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी में या मोनोक्रोटोफास 1 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी में घोलकर 2 -3 छिड़काव करना चाहिएढ़ दीमक के नियंत्रण हेतु सिंचाई करनी चाहिए तथा फोरेट 10 जी. 3 से 4 ग्राम या फालीडाल 2त्न धूल 10 से 15 ग्राम प्रति पौधा गुड़ाई करके भूमि में अच्छी तरह मिला देना चाहिए।

गुलाब के फूलों की कटाई

सफ़ेद, लाल, गुलाबी रंग के फूलों की अध् खुली पंखुड़ियों में जब ऊपर की पंखुड़ी नीचे की ओर मुड़ना शुरू हो जायें तब फूल काटना चाहिएढ़ फूलों को काटते समय एक या दो पत्तियां टहनी पर छोड़ देना चाहिए जिससे पौधों की वहाँ से बढ़वार होने में कोइ परेशानी न हो सकेढ़ फूलों की कटाई करते समय किसी बर्तन में पानी साथ में रखना चाहिए जिससे फूलों को काटकर पानी तुरंत रखा जा सकेढ़ बर्तन में पानी कम से कम 10 सेंटीमीटर गहरा अवश्य होना चाहिए जिससे फूलों की डंडी पानी में डूबी रहे पानी में प्रिजर्वेटिव भी मिलाते हैढ़ फूलों को कम से कम 3 घंटे पानी में रखने के बाद ग्रेडिंग के लिए निकालना चाहिएढ़ यदि ग्रेडिंग देर से करनी हो तो फूलों को 1 से 3 डिग्रीसेंटीग्रेट तापक्रम पर कोल्ड स्टोरेज रखना चाहिए जिससे कि फूलों की गुणवत्ता अच्छी रह सके

गुलाब के पौधे गृहवाटिका में मिटटी के गमलों में आसानी से उगे जा सकते हैं, जो कम से कम 30 सेंटीमीटर घेरे के और उतने ही गहरे हों। मिनिएचर गुलाब के लिये 20 से 25 सेंटीमीटर आकार के गमले पर्याप्त हैं। गमलों को स्वच्छ वातावरण में रखा जाए। जैसे ही नयी कोपलें और शाखाएं अंकुरित होने लगें, उन्हें ही सूरज की रोशनी में रखें। दिन भर इन्हें 4-5 घंटे धूप अवश्य मिलनी चाहिए। हाँ, गरमी की कड़कती धूप में 1-2 घंटे ही पर्याप्त हैं।

जब जहाँ भी चारों ओर गुलाब खिलता है तो सब ओर इस की सुरभि व्याप्त हो जाती है। फरवरी-मार्च में गुलाब अपने पूर्ण यौवन और बहार पर होता है। आओ, इसे अपनी गृहवाटिका में उगायें और इस के सौंदर्य और महक का आनंद लें।

गुलाब की खेती करने के लिए पौध तैयार करना

आमतौर पर जुलाई-अगस्त में मानसून आते ही गुलाब लगाया जाता है। सितम्बर-अक्टूबर में तो यह भरपूर उगाया जाता है। गुलाब लगाने की सम्पूर्ण विधि और प्रक्रिया अपनाई जाए तो यह फूल मार्च तक अपने सौंदर्य, सुगंध और रंगों से न केवल हमें सम्मोहित करता है बल्कि लाभ भी देता है। जंगली गुलाब के ऊपर टी बडिंग द्वारा इसकी पौध तैयार होती हैढ़ जंगली गुलाब की कलम जून-जुलाई में क्यारियों में लगभग 15 सेंटीमीटर की दूरी पर लगा दी जाती हैढ़ नवम्बर से दिसंबर तक इन कलम में टहनियां निकल आती है इन पर से कांटे चाकू से अलग कर दिए जाते हैढ़ जनवरी में अच्छे किस्म के गुलाब से टहनी लेकर टी आकार कालिका निकालकर कर जंगली गुलाब की ऊपर टी में लगाकर पालीथीन से कसकर बाँध देते हैढ़ ज्यो-ज्यो तापमान बढता है तभी इनमे टहनी निकल आती हैढ़ जुलाई अगस्त में रोपाई के लिए पौध तैयार हो जाती है। पौधशाला से सावधानीपूर्वक पौध खोदकर सितम्बर-अक्टूबर तक उत्तर भारत में पौध की रोपाई करनी चाहिएढ़ रोपाई करते समय ध्यान दे कि पिंडी से घास फूस हटाकर भूमि की सतह से 15 सेंटीमीटर की ऊंचाई पर पौधों की रोपाई करनी चाहिएढ़ पौध लगाने के बाद तुरंत सिंचाई कर देना चाहिए।

नए साल में बना रहे घूमने का प्लान तो...

मलेशिया को करें एक्सप्लोर, वीजा पर नहीं खर्च होगा एक भी पैसा

नए साल को आने में कुछ दिनों का समय बचा है। नए साल पर कई लोग घूमने का प्लान बनाते हैं, तो वहीं कुछ लोग विदेश घूमने का प्लान बनाते हैं। ऐसे में अगर आप भी नए साल पर विदेश घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो आपको बता दें कि घूमने के शौकीन लोगों के लिए एक बेहद अच्छी खबर सामने आई है।
दरअसल, भारत और चीन के नागरिकों को 1 दिसंबर से मलेशिया में वीजा फ्री एंट्री मिल रही है। ऐसे में आप बिना वीजा पर एक पैसा खर्च किए मलेशिया घूमने का प्लान बना सकते हैं। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक मलेशिया के पीएम अनवर इब्राहिम ने अपने एक भाषण के दौरान यह घोषणा की।

इन देशों के नागरिक कर सकेंगे वीजा फ्री यात्रा

मलेशिया के पीएम अनवर इब्राहिम के अनुसार, चीनी और भारतीय नागरिक बिना वीजा के 30 दिनों तक मलेशिया की सैर कर सकते हैं। हांलाकि अभी तक इस बात की पुष्टि नहीं हुई है कि वीजा फ्री एंट्री कब तक लागू रहेगी।

इन देशों में कर सकेंगे वीजा फ्री एंट्री

आपको बता दें कि इस लिस्ट में अब कई देशों का नाम शामिल हो गया है, जहां पर भारतीय नागरिक वीजा फ्री एंट्री कर सकते हैं। मलेशिया के अलावा भारतीय नागरिक श्रीलंका और थाईलैंड में भी वीजा फ्री एंट्री कर सकते हैं।

भारत और चीन, मलेशिया के चौथे और पांचवें सबसे बड़े सोर्स मार्केट की लिस्ट में शामिल हैं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, इस साल जनवरी से जून के बीच मलेशिया में 9.16 मिलियन पर्यटक आए। जिनमें से भारत के 2,83,885 पर्यटक और चीन के 4,98,540 पर्यटक शामिल रहे। वहीं कोरोना महामारी से पहले साल 2019 में भारत से 3,54,486 और चीन से 1,5 मिलियन लोग मलेशिया पहुंचे थे।

वीजा के लिए आवेदन

थाईलैंड ने अपने महत्वपूर्ण पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा देने और सुस्त अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहित करने के लिए वीजा फ्री एंट्री का ऐलान किया। इस साल चीनी और भारतीय नागरिकों को भी यह छूट मिली है। हांलाकि वर्तमान समय में भारतीय और चीनी पर्यटकों को मलेशिया जाने के लिए वीजा का आवेदन करना पड़ता है।

मॉरीशसः समुद्र का निराला संसार

दुनिया के बीच डेस्टिनेशन में जिन जगहों को मुख्य रूप से गिना जाता है उनमें मॉरीशस टॉप पर है। हिंद महासागर के नीले गहरे पानी में स्थित मॉरीशस अनूठा है। रंग, संस्कृति और स्वाद में जो विविधता यहां है, वह यहां गुजारे पलों को यादगार बना देती है। इसकी भौगोलिक स्थिति ऐसी है कि लगभग पूरे साल यहां का मौसम लगभग एक सरीखा रहता है। ना बहुत ज्यादा गर्मी पड़ती है और न ज्यादा ठंड। दिसंबर से मार्च के महीने सबसे ज्यादा बारिश वाले होते हैं, इसलिए उनको छोड़कर बाकी पूरे साल यहां कभी भी जाया जा सकता है। मॉरीशस के सफेद रेतीले तट कोरल रीफ बैरियर से सुरक्षित हैं। यहां का लगभग समूचा तट कोरल रीफ से घिरा है, सिवाय दक्षिणी सिरे के कुछ अपवाद को छोड़कर। इसीलिए बाकी तटों पर समुद्र जहां शांत होता है, वहीं दक्षिणी हिस्से में वह बहुत अशांत है। वहां चत्रनी तट पर समुद्र की पछाड़ें देखकर आप मुग्ध हो सकते हैं।
मॉरीशस के मुख्य द्वीप के चारों ओर कई छोटे-छोटे निर्जन द्वीप भी हैं। हम भारतीयों के लिए मॉरीशस उन जगहों में से है, जहां से हमारा भावनात्मक लगाव है। हमारी संस्कृति साझी है और लोग भी। राजधानी पोर्ट लुई पश्चिमी तट पर स्थित है। उत्तर का इलाका मैदानी है और यहां देश के कई सबसे खूबसूरत बीच हैं। समुद्र तटों की रंगीनियत भी सबसे ज्यादा इसी इलाके में है। वहीं पूर्वी मॉरीशस के समुद्र तट सुकून से कुछ पल बिताने के लिए हैं। यहां के समुद्र तट की खूबसूरती खोह और लैगून में हैं। यहां ब्लू बे और बेले मेरे सबसे लोकप्रिय समुद्री इलाकों में से हैं। उधर पश्चिमी और दक्षिण-पश्चिमी तट रोमांच प्रेमियों के लिए स्वर्ग हैं। यहां आप सर्फिंग, स्नोर्कलिंग, डीप शी फिशिंग, जैसे ज्यादातर समुद्री खेल का आनंद आप ले सकते हैं। यहां टेमेरिन बे के आसपास आप डॉल्फिन भी देख सकते हैं। दक्षिणी इलाके का रंगरूप बाकी देश से पूरी तरह अलग है। ग्रिस-ग्रिस ही मॉरीशस के समुद्री तट का अकेला ऐसा इलाका है जहां कोरल रीफ नहीं हैं। वहां किनारे ऊंची पहाड़ियां और गहरी खाइयां देखने को मिल जाएंगी। मॉरीशस का भीतरी इलाका संस्कृति के विभिन्न रंगों से रंगा है। यहां की शिवरात्रि आपको भारत की शिवरात्रि जैसी ही लगेगी।

कैसे जाएं

मॉरीशस के लिए दिल्ली व मुंबई आदि शहरों से कई एयरलाइंस की उड़ानें हैं। दिल्ली से मॉरीशस की सीधी उड़ान लगभग साढ़े सात घंटे का समय लेती है। कई उड़ानें दुबई के रास्ते भी हैं। मॉरीशस का वापसी किराया दिल्ली से 26 हजार रुपये से शुरू हो जाता है। मॉरीशस जाना बेशक महंगा है लेकिन वहां रुकने के लिए लग्जरी रिजॉर्ट के अलावा बजट होटल भी बड़ी आसानी से मिल जाएंगे।

जर्मनी के प्रचलित शहरों में से एक कोलोन

जर्मनी के प्रमुख शहरों में से एक कोलोन में जमीन पर तो अब रोम साम्राज्य के अधिक अवशेष दिखाई नहीं देते हैं परंतु जमीन के तले आज भी रोम साम्राज्य के प्रभुत्व के प्रमाण मौजूद हैं। एक सीढ़ी की मदद से नीचे उतरने पर रहस्यमयी अंधेरे से घिरे दूसरी सदी की एक कब्रगाह तक पहुंचा जा सकता है।
विभिन्न पौराणिक जीवों की आकृतियों से सजा एक विशाल ताबूत यहां दिखाई देता है।इसका ढक्कन हटाया गया है जिसके भीतर झांकने पर सारा डर दूर हो जाता है क्योंकि इसमें कोई भयावह चीज नहीं बल्कि दो कुर्सियां रखी दिखाई देती हैं। पहली नजर में ये कुर्सियां आजकल की आम कुर्सियां जैसी प्रतीत होती हैं परंतु ध्यान से देखने पर इनका महत्व महसूस होने लगता है क्योंकि इन कुर्सियों को बेहद कलात्मक ढंग से चूना पत्थर से करीब 1800 वर्ष पहले तैयार किया गया था।
इन भूमिगत हिस्सों में सब कुछ बेहद प्राचीन है। बेशक कई सौ वर्ष पूर्व कोलोन वासी रोम साम्राज्य से आजाद हो गए थे और जमीन से तो इसके अधिकतर अवशेष हटा दिए गए परंतु जमीन के नीचे आज भी कोलोनिया क्लाऊडिया अरा एग्रीप्पिनेनसियम (वह उपनिवेश जिससे यह नगर विकसित हुआ) के अवशेष बाकी हैं। गवर्नर के महल प्रायटोरियम का पता ही नहीं चलता यदि द्वितीय विश्व युद्ध में कोलोन शहर का मध्य हिस्सा तबाह न हुआ होता।
आज पर्यटक इस महल के अवशेषों की सैर कर सकते हैं जो सोमवार को छोड़ सप्ताह के बाकी दिन खुला रहता है।इसके ठीक साथ प्राचीन गटर है।रोमन 100 किलोमीटर दूर एफिल पहाड़ियों से ताजा पानी कोलोन तक लाए थे जबकि गंदे पानी की निकासी वे राइन नदी में करते थे। इसके लिए जिस तकनीक का इस्तेमाल प्राचीन रोमन करते थे उसका पता अन्यों को 19वीं सदी में जाकर लगा था।
इस जर्मन शहर में रोम साम्राज्य के कई नए अवशेषों का भी पता चलता रहा है, विशेषकर भूमिगत रेलवे के लिए की जाने वाली खुदाई के चलते कई अवशेषों का पता चल रहा है।हालांकि शहर के भीतरी हिस्से में रहने वाले किसी भी इंसान को प्राचीन अवशेषों का पता चल सकता है।1965 में एक व्यक्ति को अपने घर के बेसमैंट की खुदाई में कुछ पत्थरों से बने हिस्से मिले थे जो एक प्राचीन स्मारक निकला।आज यह रोमन-जर्मेनिक म्यूजियम की शोभा बढ़ा रहा है।इससे पहले 1941 में भी एक बंकर की खुदाई के दौरान एक खोज हुई थी।
तब भगवान डाइओनीसोस का एक मोजायक मिला था जिसमें 15 लाख टाइल्स लगी थीं। यदि आप जानना चाहें कि प्राचीन रोम वासी किस तरह से स्पा का आनंद लिया करते थे तो आपको कोलोन से निकल कर करीब स्थित जुएलपिच कस्बे तक जाना होगा। वहां म्यूजियम ऑफ बैथ कल्चर में प्राचीन रोम के स्नानागारों के संरक्षित अवशेष सहेज कर रखे गए हैं। संग्रहालय में मॉडल्स बना कर रोम कालीन स्नानागारों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई है।गहरे रंग में रंगे स्नानागारों में कपड़े बदलने के लिए लॉकर रूम बने हैं।
स्वीटिंग या हॉट बैथ में स्नान करने से पहले शरीर पर तेल लगाया जाता था या मालिश करवाई जाती थी। फिर करीब 40 डिग्री तक गर्म पानी में स्नान किया जाता था। बाद में वे ठंडे पानी में नहाते थे।स्नानागारों में केश विन्यासक, चिकित्सक तथा रसोइए भी मेहमानों की सेवा में मुस्तैद रहते थे।
स्नानागारों के नीचे गुलाम लगातार आग जला कर रखते थे जिसकी ऊष्मा फर्श तथा दीवारों बने छिद्रों से होकर स्नानागार तक पहुंचती रहती थी।
जब आग के लिए लकड़ी पाने के लिए आस-पास के जंगलों के पेड़ों को काट कर खत्म कर दिया गया तो प्राचीन रोम वासी ब्लैक फॉरैस्ट से लकड़ी काट कर राइन नदी के रास्ते कोलोन तक पहुंचाने लगे थे।उस वक्त अभिजात्य वर्ग के रोम वासियों के लिए विशेष शौचालय भी बनाए गए थे जहां वे एक साथ बैठ कर निवृत्त होते हुए विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श भी किया करते थे। इतिहास पर नजर डालें तो कोलोन की खूबियों ने रोमन साम्राज्य का मन पूरी तरह मोह लिया था।
इतिहास बताता है कि हर किसी ने कोलोन को अपना बनाने की कई कोशिशें कीं।यह रोमन साम्राज्य का एक बड़ा केंद्र रहा।2 हजार साल पहले राइन नदी के किनारे रोमन साम्राज्य का विस्तार केंद्र कोलोन ही था। रोम शासकों ने यहां अपनी व्यापारिक चैकी स्थापित की थी और नाम दिया था कोलोनिया। रोमन दौर की निशानियां कोलोन में आज भी यहां वहां बिखरी हुई हैं। राइन नदी इलाके में व्यापार का प्रमुख रास्ता रहा है और इसकी बदौलत कोलोन की समृद्धि भी रही। मध्ययुगीन दौर में रोमन शासन के बनाए 12 चर्च और किले सरीखे तीन नगर द्वार कोलोन की विशिष्टता रहे हैं।

इस एक स्थान पर होती है तीन धर्मों की यात्रा

संसार भर में भारत ही ऐसा देश है जहां विभिन्न धर्मों से जुड़े लोग एकजुट होकर रहते हैं। बहुत से ऐसे स्थान हैं जहां विभिन्न धर्मों के पवित्र स्थल एक ही स्थान पर स्थापित हैं। उन्हीं में से एक तीर्थ है राजगृह। राजगृह हिन्दू, बौद्ध और जैन तीनों धर्मों के अनुयायीयों का तीर्थ है। पुरातन काल में राजगृह मगध की राजधानी हुआ करती थी तत्पश्चात मौर्य साम्राज्य आया। महाभारत में राजगृह को तीर्थ माना गया है। राजगृह के समीप अरण्य में जरासंध की बैठक नाम की एक बारादरी अवस्थित है।

हिन्दू तीर्थ

यहां प्रवाहित होने वाली सरस्वती नदी को स्थानीय लोग प्राची सरस्वती कहते हैं। सरस्वतीकुण्ड से आधा मील की दूरी पर सरस्वती को वैतरणी कहा जाता है। इस नदी के तट पर पिण्डदान और गोदान का बहुत महत्व है इसलिए यहां प्रत्येक धर्म-समुदाय के लोग पिण्डदान करते हैं। यहां मार्कण्डेयकुण्ड, व्यासकुण्ड, गंगा-यमुनाकुण्ड, अनन्तकुण्ड, सप्तर्षिधारा और काशीधारा हैं। जिनके समीप बहुत से देवी-देवताओं के मंदिर अवस्थित हैं।

बौद्ध तीर्थ

पुरातन काल में इस स्थान पर बौद्धों के 18 विहार हुआ करते थे। राजगृह मुख्य बौद्ध तीर्थ है क्योंकि महात्मा बुद्ध ने अपने जीवन काल का बहुत बड़ा हिस्सा यहां व्यतित किया था। वर्षा के चार महीने यहीं व्यतीत किया करते थे।

जैन तीर्थ

जैन तीर्थ पंच पहाड़ों पर स्थित है। इक्कीसवें तीर्थंकर मुनि सुव्रतनाथ का जन्म इसी पहाड़ी पर हुआ था। यही उनकी तपो भूमी थी। मुनिराज धनदत्त और महावीर के बहुत सारे गणधर इसी स्थान से मोक्ष को प्राप्त हुए थे। जैनयात्री यहां विशेष रूप से दर्शनों के लिए आते हैं।

बॉस हों पार्ट टाइमर तो ऐसे करें डील

जॉब के दौरान कई परिस्थितियों से दो चार होना पड़ता है। ऐसा हो सकता है कि कंपनी पार्ट टाइम बॉस को नियुक्त कर दे। ऐसी स्थिति में टीम की जिम्मेदारी बढ़ जाती है। बॉस के साथ तालमेल बैठाकर उन्हें फैसले लेने होते हैं...

जब आपके ऑफिस में पार्ट टाइम काम करने वाले बॉस हों और आप फुल टाइमर एम्प्लॉइ हों, तो स्थिति थोड़ी सी नाजुक हो जाती है। ऐसे में पूरी टीम को बॉस के साथ बराबर टच में रहना होता है। इसमें कोई दो राय नहीं है कि टीम को फुल टाइमर बॉस की कमी महसूस होती है। टीम को कई मुद्दों पर बातचीत करने की जरूरत होती है। कई बार ऐसा होता है कि पार्ट टाइमर बॉस पूरा समय नहीं दे पाते हैं। आप अपनी कंपनी में ऐसी स्थिति का सामना कर रहे हैं, तो यहां पर दिए जाने वाले टिप्स कारगर साबित हो सकते हैं। आइए डालते हैं एक नजर –

मानसिकता सही रखें

एक्सपर्ट कहते हैं कि एक पार्ट टाइमर बॉस किसी संस्था में काम करता है, तो वहां पर काम करने वाले लोगों के मन में यह भावना विकसित हो सकती है कि वह पावर का दुरुपयोग तो नहीं कर रहे हैं। बॉस का पद जिम्मेदारी भरा पद होता है और कंपनी बॉस पर भी नजर रखती है। याद रखें कि इसके लिए कंपनी हमेशा ही अपने स्तर पर सही व्यक्ति का चुनाव करती है। ऐसे में यह है कि टीम भी सही मानसिकता के साथ बॉस को सहयोग दे और अपना काम करे। वह कॉरपोरेट जगत के वैल्यू को समझे।

कम्यूनिकेशन का होता है अहम रोल

जहां बॉस पार्ट टाइम काम करते हैं और उनके साथ काम करने वाले बाकी लोग फुल टाइम जॉब करते हैं, वहां पर कम्यूनिकेशन का रोल अहम हो जाता है। एक्सपर्ट मानते हैं कि ऐसी स्थिति में टीम को बॉस के साथ कम्यूनिकेशन लेवल हाई रखना पड़ता है। एक बार कम्यूनिकेशन करने का स्टाइल फिक्स हो जाता है, तो बाद में चीजों को बदल पाना आसान नहीं होता है। जब कम्यूनिकेशन सही रहेगा तो प्रॉब्लम का निपटारा भी पलक झपकते ही हो जाएगा। ऐसे में पार्ट टाइमर बॉस के संग भी टीम बेहतर रिजल्ट दे सकती है।

फैसला लेने की कला सीखें

आप ऐसी जगह काम कर रहे हैं, जहां फुल टाइमर बॉस नहीं हैं, तो जरूरी है कि टीम का हर एक सदस्य खुद पर भरोसा दिखाए और फैसला लेने की कला सीखे। याद रखें कि जब बॉस फुल टाइमर नहीं होते हैं, तो सबसे ज्यादा दिक्कत फैसला लेने में ही होती है। वर्कप्लेस पर कई बार आपको पलक झपकते ही बड़े फैसले लेने होते हैं। दूसरा बड़ा मुद्दा यह होता है कि आप आज के कॉम्पिटिशन भरे माहौल में टीम में तेजी कैसे लाएं। जॉब एक्सपर्ट कहते हैं कि इससे निपटने के लिए कंपनियों को चाहिए कि वह फैसला लेने के अधिकार को बांट दे। इससे जहां टीम के सदस्यों में कॉन्फिडेंस पैदा होता है, वहीं समय के भीतर फैसला लेने से काम में तेजी भी आती है।

...तो आप भी हैं कामयाब लीडर

एक लीडर में अपनी बात को असरदार तरीके से दूसरों तक पहुंचाने का हुनर आना चाहिए। एक लीडर, अगर वह अपनी बात अपने साथ काम करने वालों को बेहतर तरीके से कम्यूनिकेट कर पाने में समर्थ है, तो इससे कामकाजी माहौल ऊर्जा से भर जाता है, लोग उत्साह से काम में जुटते हैं और उनकी रचनात्मकता काम में झलकने लगती है। एक दूरदर्शी सोच रखने वाला लीडर एक जुनूनी टीम बनाने में यकीन रखता है। यह टीम एक समान लक्ष्यों के लिए पूरे जोशोखरोश से काम करती है। अपना कारोबार फैलाती किसी भी कंपनी को एक मजबूत मैनेजमेंट के साथ-साथ ऐसी टीम की भी दरकार रहती है, जो साथ काम करने वाले लोगों के बीच आपसी एकता, यकीन और आदर की बुनियाद पर बनी हो। कामयाबी का राज है, कामकाज में साफ-सुथरापन। एक कामयाब लीडर इस बात की अहमियत जानता है और अच्छे कामकाज के लिए अपने एंप्लॉई के साथ एक बेहतर समझ विकसित करता है। इससे न सिर्फ कामकाज का बिना किसी रुकावट के निपटारा होता जाता है, बल्कि टीम के भीतर एक खुशनुमा कामकाजी माहौल भी बरकरार रहता है।

इन बातों का ध्यान रखें तो कदम चूमेगी कामयाबी

जब आप अपने लक्ष्य के प्रति स्पष्ट होते हैं, तो यह जान जाते हैं कि आप कौन हैं? आप क्या हैं? आपको क्या करना है और आप क्या चाहते हैं? अगर ये चीजें आपके दिमाग में साफ हैं, तो आपकी सफलता का पहला चरण सुनिश्चित हो जाता है।

बनें योग्य

कामयाब होने के लिए सबसे पहले यह जरूरी है कि आप खुद को योग्य बनाएं। क्योंकि आप तब तक ऊपर नहीं चढ़ सकते, जब तकि आप में योग्यता नहीं हो। इसलिए पहले खुद को योग्य बनाना जरूरी होता है। इसके लिए लगातार प्रयत्न करना पड़ेगा। याद रखें कि कोशिश करने वालों की कभी भी हार नहीं होती है।

दबाव झेलने की क्षमता

जब जिम्मेदारी बढ़ेगी तो दबाव के साथ-साथ अवरोध भी उत्पन्न होगा। ऐसे में इस तरह की विपरीत परिस्थितियों को झेलने की क्षमता आपमें जरूर होनी चाहिए। वैसे जब आपको एवरेस्ट पर चढ़ाई करनी हो तो रास्ते में दिक्कतें तो आएंगी ही। दिक्कतों का सामना करने से ही सफलता का दरवाजा खुलता है।

भरपूर एकाग्रता जरूरी

इसके बिना तो आप साइकल भी नहीं चला सकते। एकाग्रता एक ऐसी चीज है, जो हर जगह काम आती है। आप अपने काम में इसके द्वारा ही परफेक्शन लाते हैं। किसी भी काम को साधारण से असाधारण बनाने के लिए एकाग्रता की जरूरत होती है। इसके माध्यम से आप बड़े से बड़े लक्ष्य को भेद सकते हैं।

रचनात्मकता भी जरूरी

एक प्रफेशनल की सफलता में उसकी रचनात्मकता का काफी अहम योगदान हो है। इसलिए इस ओर ध्यान देना जरूरी है।

साहस बनाए रखें

कहते हैं रिस्क लेने के बाद ही आगे बढ़ने का रास्ता खुलता है। इसके लिए साहस सबसे जरूरी चीज है। किसी ने सही कहा है कि हिम्मत रखने वालों की कभी हार नहीं होती इसलिए जीतने के लिए साहस बहुत जरूरी है।

हार्डवेयर फील्ड में खूब हैं जॉब, मस्त सैलरी

आज शायद ही ऐसा कोई ऑफिस हो, जहां का कामकाज कंप्यूटर पर आधारित न हो। इसके अलावा, घर, स्कूल आदि जगहों पर भी सभी कामकाज कंप्यूटर पर ही किए जाते हैं। अगर ये सुचारू रूप से काम न करें, तो सारा कामकाज अचानक ठप हो सकता है। बैंकों और अन्य सरकारी कार्यालयों में नेटवर्क फेल होने की वजह से काम ठप रहने की खबरें आपने अक्सर पढ़ी होंगी, तब इस नेटवर्क को सही करने के लिए हार्डवेयर प्रफेशनल्स की ही मदद ली जाती है। नेटवर्किंग दरअसल कंप्यूटरों को आपस में जोड़कर ऐसा जाल बनाने का फील्ड है जिसमें कोई संस्थान काम कर सके। कुल मिलाकर, कंप्यूटर इंस्टॉलेशन से लेकर, इसकी मेंटेनेंस और रोजमर्रा के ऐडमिनिस्ट्रेशन तक का सारा जिम्मा कंप्यूटर सपोर्ट स्पेशलिस्ट्स यानी हार्डवेयर इंजिनियर्स के जिम्मे होता है।

कोर्स

हार्डवेयर इंजिनियर बनने के लिए मुख्य रूप से दो बेसिक कोर्स करने पड़ते हैं। पहला, हार्डवेयर और दूसरा बेसिक नेटवर्किंग। हार्डवेयर रिलेटिड कोर्स से कंप्यूटर पार्ट्स के बारे में तमाम तकनीकी जानकारी मिलती है। एक हार्डवेयर इंजिनियर या सिस्टम ऐडमिनिस्ट्रेटर बनने के लिए ये दोनों कोर्स करने बेहद जरूरी हैं। नेटवर्किंग में इससे आगे कोई एक्सपर्ट बनना हो, तो अपनी पसंद के हिसाब से कुछ और बेसिक कोर्स करने होंगे, जैसे - लैन (लोकल एरिया नेटवर्क) और वैन (वाइड एरिया नेटवर्क) से जुड़े कोर्स। नेटवर्किंग से जुड़े कोर्स कराने के लिए कई सरकारी और प्राइवेट संस्थान हैं, जिन्होंने इन कोर्सेज के लिए अपनी अलग पहचान बनाई है। नेटवर्किंग सीखने के लिए तीन तरीके हैं - पहला ऑनलाइन स्टडी मटीरियल की मदद से खुद पढ़ाई, दूसरा ऐसे इंस्टिट्यूट्स जो किसी प्रोग्राम से जुड़े नहीं हैं और तीसरा सर्टिफाइड प्रोग्राम।

जॉब की कमी नहीं

एक्सपर्ट्स बताते हैं कि नेटवर्किंग में कोर्स करने के बाद कंप्यूटर सपोर्ट स्पेशलिस्ट, हेल्प डेस्क टेक्निशन, नेटवर्क या सिस्टम ऐडमिनिस्ट्रेटर, कंप्यूटर सिक्यॉरिटी

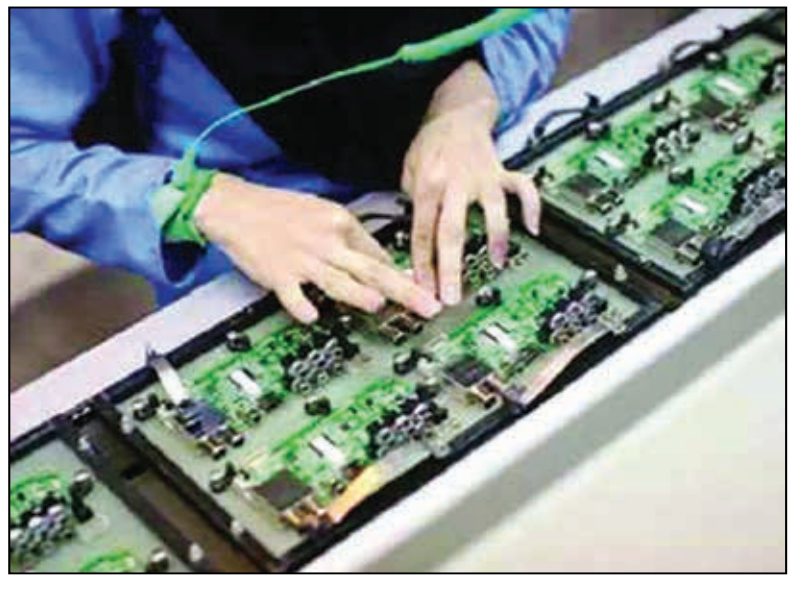

स्पेशलिस्ट के रूप में करियर बना सकते हैं। आज इन एक्सपर्ट्स की जरूरत लगभग हर संस्थान में होती है। फिर चाहे वह कंप्यूटर और डेटा प्रोसेसिंग यूनिट हों, बैंक या अन्य सरकारी कार्यालय, कोई इंडस्ट्री या और कोई छोटी-बड़ी फर्म। जहां भी कामकाज कंप्यूटर आधारित है, वहां इन तकनीकी विशेषज्ञों की जरूरत पड़ती है। सरकारें जिस तरह ई-गवर्नेंस पर जोर दे रही हैं, उससे यह फील्ड और भी हॉट बनता जा रहा है। इसके चलते स्टेट वाइड एरिया नेटवर्क और डाटा सेंटर जैसे कई नए फील्ड खुल रहे हैं। कहा जा सकता है कि जब तक कंप्यूटर पर काम होता रहेगा, इन विशेषज्ञों की जरूरत पड़ती रहेगी। ये किसी भी कंपनी के लिए नेटवर्क और कंप्यूटर सिस्टम की देखभाल से लेकर, एंप्लायीज और कस्टमर्स की तकनीकी जिज्ञासाओं को शांत करने तक का काम करते हैं। एंट्री लेवल पर आपकी जिम्मेदारी केवल नेटवर्क और कंप्यूटर मेंटेनेंस की हो सकती है, लेकिन अनुभव के साथ आपको किसी कंपनी के लिए इंट्रानेट आदि डिवेलप करने का जिम्मा भी दिया जा सकता है।

मनी मैटर्स

बरसों से आईटी फील्ड में अच्छी-खासी सैलरी रही है। हार्डवेयर प्रफेशनल्स के लिए सॉफ्टवेयर प्रफेशनल्स की तरह मौकों की कोई कमी नहीं है। एंट्री लेवल पर आप 25 से 35,000 रुपये महीने की जॉब पा सकते हैं। अनुभव और समय के साथ इसमें बढ़ोतरी होगी।